दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता
www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-44 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 3 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो समाज दुख में रोने और खुशी में मुस्कराने का अधिकार छीन लेता है, वह अनुशासन नहीं सिखाता–वह इंसानियत को दबा देता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

शहादत का सम्मान या शोक का अपमान? : डीजे, नारे और दबा दिया गया मानवीय दुःख

यह कैसा समय है, कैसी परंपरा गढ़ी जा रही है, जिसमें दुख की घड़ी को भी शोर में बदल दिया गया है। जिस घर का मुखिया चला गया, जिस मां का बेटा, जिस पत्नी का सुहाग, जिन बच्चों का पिता और जिस पलटन का साथी हमेशा के लिए विदा हो गया–उस क्षण को शांति, संवेदना और मौन की जरूरत होती है। लेकिन आज उसी क्षण को डीजे की धुन, ऊंचे नारों और दिखावटी देशभक्ति के शोर में दबा दिया जा रहा है। यह सवाल केवल परंपरा का नहीं, बल्कि संवेदना, मनोविज्ञान और समाज की दिशा का है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले सैनिकों का सम्मान होना ही चाहिए। यह सम्मान राष्ट्र की आत्मा से जुड़ा है। लेकिन सम्मान और शोर में फर्क होता है। सम्मान में गरिमा होती है, मौन होता है, सिर झुकाने का भाव होता है। शोर में प्रदर्शन होता है, भीड़ होती है, और अक्सर भावनाओं का दमन होता है। आज जो दृश्य कई जगह देखने को मिल रहे हैं, विशेषकर शेखावाटी जैसे क्षेत्रों में, वे सम्मान से अधिक एक सामाजिक दबाव और छद्म राष्ट्रवाद का रूप लेते जा रहे हैं। जब किसी सैनिक का पार्थिव शरीर गांव पहुंचता है, तो परिवार का दिल टूट चुका होता है। मां का कलेजा फट रहा होता है, पत्नी की आंखें भविष्य के अंधेरे से भर चुकी होती हैं, बच्चे समझ भी नहीं पाते कि जीवन ने उनसे क्या छीन लिया। लेकिन ऐसे में उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे 'भारत माता की जय' के नारे लगाएं, आंसू न बहाएं, और डीजे की धुन पर चुपचाप खड़े रहें। यदि आंख से आंसू निकल आए, तो कहीं उन्हें 'कमजोर ', 'कायर' या 'कम देशभक्त' न ठहरा दिया जाए–इस डर से लोग अपने दिल पर पत्थर रख लेते हैं। यह स्थिति इतिहास की एक भयावह याद दिलाती है। जैसे कभी सती प्रथा के समय महिलाओं की भावनाओं को दबाकर, समाज और धर्म के नाम पर उन्हें अग्नि में झोंक दिया जाता था। तब भी कहा जाता था–यह गौरव है, यह परंपरा है, यह सम्मान है। आज भी फर्क केवल इतना है कि आग की जगह शोर है, और दमन का तरीका बदल गया है। लेकिन भावनाओं को कुचलने की प्रक्रिया वही है। मनोविज्ञान स्पष्ट कहता है कि सुख में हंसना और दुख में रोना मनुष्य का स्वाभाविक गुण है। यह शरीर और मन के संतुलन के लिए आवश्यक है। जो व्यक्ति अपने गम को बाहर नहीं निकाल पाता, वह भीतर ही भीतर टूटता जाता है। यही दबी हुई पीड़ा आगे चलकर अवसाद, तनाव, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और अन्य मानसिक बीमारियों का कारण बनती है। समाज अगर किसी शोकग्रस्त परिवार को रोने तक का अधिकार नहीं देता, तो वह केवल दिखावे का समाज बन जाता है–संवेदनहीन और कठोर।

एक और गंभीर प्रश्न यह भी है कि आज 'शहादत' शब्द का अति प्रयोग हो रहा है। सीमा पर दुश्मन से लड़ते हुए वीरगति पाने वाला सैनिक और बीमारी, दुर्घटना या प्राकृतिक कारणों से निधन पाने वाला सैनिक–दोनों सम्मान के पात्र हैं, इसमें कोई संदेह नहीं। लेकिन दोनों स्थितियों को समान शब्दों, समान समारोहों और समान प्रतीकों में ढाल देना, कहीं न कहीं वास्तविक शहादत के अर्थ को भी धुंधला करता है। जब हर मृत्यु 'शहादत' कहलाने लगे, तो सीमा पर बलिदान देने वाले सैनिक की कुर्बानी की विशिष्टता भी सामान्यीकरण का शिकार हो जाती है।

आज अखबारों में, सोशल मीडिया पर और गांवों के रास्तों पर मूर्तियों, बैनरों और नारों की बाढ़ सी आ गई है। कई बार यह सम्मान कम और प्रतिस्पर्धा ज्यादा लगता है–किस गांव में कितनी बड़ी मूर्ति, किस यात्रा में कितने डीजे, किस नारे की आवाज ज्यादा ऊंची। इस होड़ में सबसे पीछे छूट जाता है–वह परिवार, जिसका संसार उजड़ चुका है। यह विषय इसलिए भी संवेदनशील है क्योंकि इस पर सवाल उठाने वाला व्यक्ति तुरंत 'देशद्रोही' ठहरा दिया जाता है। लेकिन सच्चा राष्ट्रवाद सवाल करने से डरता नहीं, बल्कि आत्ममंथन करता है। देशभक्ति का अर्थ यह नहीं कि हम हर गलत परंपरा को तिरंगे में लपेट दें। देशभक्ति का अर्थ यह है कि हम सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति ईमानदार हों–भावनात्मक रूप से भी, नैतिक रूप से भी। सैनिक का सम्मान केवल उसकी शव यात्रा तक सीमित नहीं होना चाहिए। असली सम्मान तब है, जब उसके परिवार को दीर्घकालीन सुरक्षा, सम्मानजनक जीवन, शिक्षा, स्वास्थ्य और मानसिक सहारा मिले। असली सम्मान तब है, जब मां को रोने का अधिकार मिले, पत्नी को अपने दुख को व्यक्त करने की आज़ादी मिले, और बच्चों को यह एहसास हो कि समाज उनके साथ है–शोर में नहीं, संवेदना में। समाज को यह समझना होगा कि मौन भी देशभक्ति हो सकता है। नम आंखें भी राष्ट्र के प्रति श्रद्धा का प्रतीक हो सकती हैं। हर सम्मान ढोल-नगाड़ों से नहीं होता, कुछ सम्मान सिर झुकाकर भी दिए जाते हैं। समय आ गया है कि हम इस प्रचलन पर गंभीरता से विचार करें–कि कहीं हम शहादत का सम्मान करते-करते, शोक का अपमान तो नहीं कर रहे। यह सवाल कड़वा है, लेकिन जरूरी है। क्योंकि जो समाज अपने दुख को भी प्रदर्शन में बदल दे, वह धीरे-धीरे अपनी आत्मा खो देता है।

राजस्थान में कलेक्टर-एसपी के ट्रांसफर पर रोक

राज्य निर्वाचन आयोग ने जारी किए आदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज

3 साल से ज्यादा समय से पोस्टेड अधिकारी हटेंगे

जयपुर । आगामी निकाय और पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने राज्य में तैनात फील्ड पोस्टिंग वाले अधिकारियों के ट्रांसफर-पोस्टिंग पर रोक लगा दी है। साथ ही जो अधिकारी अपने गृह क्षेत्र में पदस्थापित है, उनको 28 फरवरी तक पद से हटाने के निर्देश दिए हैं। एक जगह 3 साल या उससे ज्यादा समय से पदस्थापित अधिकारियों का ट्रांसफर होगा। ये आदेश कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम समेत तमाम निकाय, थानाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों पर लागू होंगे। राज्य निर्वाचन आयोग से जारी आदेशों के मुताबिक ये आदेश निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा से लागू होगा और चुनाव खत्म होने तक लागू रहेगा।

वोटर लिस्ट तैयार करने से जुड़े अधिकारियों के ट्रांसफर से पहले अनुमति

निर्वाचन आयोग ने इन आदेशों में वोटर लिस्ट तैयार करने के काम में लगे अधिकारियों (एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और अन्य) के ट्रांसफर पर सेंसर लगाया है। आयोग ने कहा- जब तक वोटर लिस्ट का फाइनल प्रकाशन नहीं हो जाता, ऐसे अधिकारी का ट्रांसफर आयोग की बिना अनुमति के नहीं किया जाएगा।

3 साल से ज्यादा समय से पोस्टेड अधिकारी भी हटेंगे

आदेश में आयोग ने उन अधिकारियों को भी पदों से हटाने यानी ट्रांसफर करने के निर्देश दिए है, जो किसी एक जगह 3 साल या उससे ज्यादा समय से पदस्थापित हैं। आयोग ने इसके लिए कट ऑफ डेट 30 अप्रैल निर्धारित की है। यानी 30 अप्रैल तक किसी अधिकारी का किसी एक जगह पोस्टिंग की समयावधि तीन साल से अधिक की हो रही है तो उसे उक्त जिला या नगर पालिका या पंचायत समिति क्षेत्र से हटाया जाएगा।

28 फरवरी तक ट्रांसफर-पोस्टिंग का समय दिया

राज्य निर्वाचन आयोग ने इन आदेशों के तहत किसी भी अधिकारी की ट्रांसफर-पोस्टिंग अगर करनी है तो उसके लिए सरकार और विभागों को 28 फरवरी तक का समय दिया है। 28 फरवरी तक इन नियमों के विपरीत यदि कोई अधिकारी पदस्थापित है, उसे वर्तमान पद से स्थानान्तरित करने की कार्रवाई की जा सकेगी।

जैसलमेर में बॉर्डर-2 का गाना 'घर कब आओगे' लॉन्च

BSF की जिप्सी से कार्यक्रम में पहुंचे सनी देओल

आवाज लाहौर तक पहुंचनी चाहिए

भीम प्रज्ञा न्यूज

जैसलमेर । जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर सनी देओल स्टारर फिल्म 'बॉर्डर 2' का गाना 'घर कब आओगे' लॉन्च किया गया। BSF जवानों के बीच तनोट माता मंदिर के सामने ऑडिटोरियम में आतिशबाजी के साथ 'घर कब आओगे' गाने की लॉन्चिंग की गई। कार्यक्रम में पहले कलाकारों ने मशहूर राजस्थानी लोक गीत 'केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश' की मनमोहक प्रस्तुति दी, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। इसके बाद फिल्म का लोकप्रिय गीत 'घर कब आओगे' दिखाया गया, जिसने माहौल को भावनात्मक बना दिया।

सनी देओल ने पिता धर्मेंद्र को याद किया

सनी देओल ने मंच से अपने पिता धर्मेंद्र देओल को याद किया। उन्होंने कहा- जब मैं एक्टर बना, तब मैंने तय किया था कि मैं भी पापा की तरह ही फिल्में करूंगा। सनी देओल ने कहा- मुझे अंदाजा नहीं था कि मेरी फिल्मों से युवाओं को इतना कॉन्फिडेंस मिलेगा कि वो सेना में भर्ती होने का फैसला कर लेंगे। **उन्होंने भावुक अंदाज में कहा-** मैं ज्यादा कुछ नहीं कह पाऊंगा, क्योंकि इस वक्त मेरा दिमाग थोड़ा हिला हुआ है। इसके बाद सनी देओल पूरे जोश में तेज आवाज में बोले- आवाज कहां तक पहुंचनी चाहिए... लाहौर तक। उनके इस डायलॉग पर कार्यक्रम स्थल तालियों से गूंज उठा।

पाकिस्तानी सेना के गोले मंदिर को नहीं पहुंचा पाए नुकसान

लोंगेवाला युद्ध के दौरान पाकिस्तानी सेना ने करीब 3 हजार हवाई और जमीनी गोले दागे थे, लेकिन तनोट माता के मंदिर को कोई नुकसान नहीं हुआ था। उस समय दागे गए बम आज भी मंदिर परिसर में सुरक्षित है। 1971 के युद्ध के बाद BSF ही इस मंदिर की व्यवस्था संभालती है।

वरुण धवन बोले- कोई आंख उठाकर देखेगा तो हम जवाब देने में सक्षम

एक्टर वरुण धवन ने 1971 के युद्ध का जिक्र करते हुए देशभक्ति का संदेश दिया। उन्होंने कहा-भारत अमन और शांति में विश्वास रखने वाला देश है, लेकिन 'बॉर्डर' जैसी फिल्मों का बनना बेहद जरूरी है। इससे देश के युवाओं को यह संदेश जाता है कि हम मजबूत हैं और जब भी कोई देश की ओर आंख उठाकर देखेगा, तो हम जवाब देने में सक्षम हैं। उन्होंने 1971 के युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा- जब हम दूसरे देश को आजादी दिला सकते हैं, तो अपने देश के लिए लड़ने में कभी पीछे नहीं हटेंगे। वरुण की इन बातों ने दर्शकों में जोश भर दिया और पूरा कार्यक्रम स्थल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

न्यूज विंडो

फतेहाबाद जिले भर में मेडिकल स्टोर्स पर 8 ड्रग इंस्पेक्टर्स की रेड

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । फतेहाबाद जिले में नशे के खिलाफ शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करने का प्रयास किया गया। पूरे जिले में पांच जिलों के आठ ड्रग इंस्पेक्टर्स ने फतेहाबाद, रतिया, टोहाना के मेडिकल स्टोर्स की जांच की। इस दौरान नशीली दवाएं नहीं मिली, लेकिन अन्य कई अनियमितताएं सामने आई। इन अनियमितताओं को लेकर संबंधित मेडिकल स्टोर संचालकों को ड्रग एंड कास्मेटिक्स एक्ट के तहत नोटिस जारी किए गए हैं। अगर संतोषजनक जवाब नहीं मिला, तो कानूनी कार्रवाई होगी। हिसार, सिरसा, नारनौल, गुरुग्राम व भिवानी के ड्रग इंस्पेक्टर्स जिले में पहुंचे। सीनियर ड्रग कंट्रोल ऑफिसर डॉ. रमन कुमार के नेतृत्व टोहाना, भिवानी के डीसीओ डॉ. सुरेंद्र कुमार ने रतिया, हिसार के डीसीओ डॉ. अजय कुमार ने फतेहाबाद शहर के मेडिकल स्टोर्स की जांच की। इनके साथ स्थानीय पुलिस भी मौजूद रही। रतिया में मैडिकल स्टोर पर जांच के दौरान डीसीओ डॉ. रमन व डॉ. सुरेंद्र कुमार, साथ में एसएचओ पुष्पा सिहाग व अन्य पुलिसकर्मी। इस दौरान बिना डॉक्टर की पर्ची और वैध प्रिस्क्रिप्शन के नशीले इंजेक्शन व प्रतिबंधित दवाओं की बिक्री पर पूर्ण रोक लगाने के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान मेडिकल स्टोर संचालकों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए गए कि बिना डॉक्टर की लिखित पर्ची किसी भी प्रकार का इंजेक्शन या नियंत्रित दवा बेचना कानूनन अपराध है। जांच के दौरान मेडिकल स्टोरों के बिक्री रजिस्टर, स्टॉक रिकॉर्ड और बिलिंग प्रणाली की जांच की गई। इस दौरान कुछ मेडिकल स्टोर संचालकों का रिकॉर्ड मेंटेन नहीं मिला। जिस पर मेडिकल स्टोर संचालक को नोटिस जारी किए गए।

अंबेडकर पर आपत्तिजनक टिप्पणी, समाज का विरोध प्रदर्शन

तीन दिन बाद भी आरोपी युवक गिरफ्तार नहीं, पुलिस ने दिया आश्वासन

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । डॉ. भीमराव अंबेडकर और अनुसूचित जाति व जनजाति के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के विरोध में समाज के लोगों ने शुक्रवार को रतनगढ़ पुलिस थाने के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी युवक की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। राजस्थान शिक्षक संघ अंबेडकर के जिलाध्यक्ष शिवराम मेघवाल ने बताया कि 29 दिसंबर को रतनगढ़ के गांव जांदवा निवासी एक युवक ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर और एससी-एसटी समाज के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। इस टिप्पणी से समाज में गहरा आक्रोश है। आरोपी की गिरफ्तारी की मांग को लेकर 31 दिसंबर को एसडीएम मिथिलेश कुमार को ज्ञापन सौंपा गया था। इसमें आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की गई थी। हालांकि, घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया जा सका है, जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ गई है।

प्रदर्शन के दौरान थानाधिकारी गौरव खिड़िया ने आक्रोशित लोगों से बातचीत की और उन्हें जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी बताया कि आरोपी के खिलाफ राजलदेसर थाने में पहले ही एक मुकदमा दर्ज है। पुलिस के आश्वासन के बाद आक्रोशित लोग शांत हुए।

झुंझुनूं के 'हाट' में सजी शेखावाटी की संस्कृति हस्तशिल्प एवं पर्यटन मेले का आगाज, सांस्कृतिक संध्या में दिखेगी विरासत

भीम प्रज्ञा न्यूज

झुंझुनूं । झुंझुनूं में आबूसर स्थित ग्रामीण हाट में शुक्रवार से 'शेखावाटी हस्तशिल्प एवं पर्यटन मेले' का शुभारंभ हुआ। कलेक्टर अरुण गर्ग ने दीप प्रज्ज्वलित कर मेले का उद्घाटन किया। उद्घाटन के साथ ही पूरा परिसर राजस्थानी लोक-संस्कृति के रंगों में सराबोर नजर आया।

'लोकल फॉर वोकल' को मिलेगा मंच

मेले का अवलोकन करते हुए जिला कलेक्टर अरुण गर्ग ने कहा कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य 'लोकल फॉर वोकल' की सोच को धरातल पर उतारना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं और पारंपरिक हुनर को अक्सर बड़ा बाजार नहीं मिल पाता। यह मेला शिल्पकारों और स्थानीय उद्यमियों के लिए बाजार से जुड़ने का एक मजबूत माध्यम बनेगा। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, बल्कि विलुप्त होती पारंपरिक कलाओं को भी नया जीवन मिलेगा।

आभूषण से लेकर परिधान तक, हर स्वाद का सामान

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र के महाप्रबंधक अभिषेक चौबदार और पर्यटन विभाग के सहायक निदेशक देवेंद्र चौधरी ने बताया कि मेले में शेखावाटी क्षेत्र के साथ-साथ अन्य जिलों से भी शिल्पकार पहुंचे हैं।पहले ही दिन स्टॉल्स पर पारंपरिक आभूषण, हस्तशिल्प की कलाकृतियां और राजस्थानी परिधानों की जमकर खरीदारी हुई। खासतौर पर महिलाओं में घरेलू हस्तशिल्प उत्पादों को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला।

सांस्कृतिक शामों में दिखेगी शेखावाटी की विरासत

पर्यटन विभाग की ओर से मेले में आने वाले सैलानियों के लिए सांस्कृतिक और मनोरंजन कार्यक्रमों की विशेष व्यवस्था की गई है। नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने के उद्देश्य से सितोलिया, रस्साकशी जैसी पारंपरिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

शोक सन्देश

जन्म तिथि- 10.02.1946 पुण्य तिथि- 01.01.2026

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि **हमारी माताजी स्व. श्रीमती भगवती देवी** का स्वर्गवास दिनांक 1-01-2026 को हो गया।

स्थान- निज स्थान ग्राम रवां (खेतड़ी) में 12 जनवरी 2026 तक बैठक रहेंगी।

शोकाकुल परिवारः पुत्र संजय जेवरिया, पुत्रवधू मंजू देवी, ब्रजेश जेवरिया (नर्सिंग ऑफिसर) पौत्र रितिक जेवरिया, हेमन्त जेवरिया, पौत्री डिम्पल, योगीता, पूजा जेवरिया, बेटी-दामाद चन्द्रकला धन्सीराम, माया स्व.बाबूलाल, कमलेश प्रकाश समेत परिवार एवं रिश्तेदार एवं मित्रगण।

अस्तित्व संकट के बीच पारिवारिक एकता का राग

उमेश चतुर्वेदी

चाहे ठाकरे कुनबा हो या फिर पवार परिवार, अगर दोनों एक हो रहे हैं तो उसकी सिर्फ अस्तित्व की रक्षा भी नहीं है, बीजेपी रूपी चुनौती से पार पाना भी है और मुंबई महानगर पालिका, पुणे महानगर पालिका और पिंपरी चिंचवड महानगर पालिका पर कब्जे की चाहत भी है। मुंबई महानगर पालिका का सालाना बजट सत्तर हजार करोड़ रूपए का है।

राजनीति के बारे में कहा जाता है कि यहां कोई न तो स्थायी दोस्त होता है और ना ही कोई स्थायी दुश्मन। राजनीति में ऐसे कम ही उदाहरण मिलेंगे,जहां दोस्ती के मूल में दिल का रिश्ता होता है। गौर से देखें तो संभावनाओं, चुनौतियों और अवसरों की बुनियाद पर पर दोस्ती या दुश्मनी के रिश्ते आगे बढ़ते हैं। महाराष्ट्र के दो राजनीतिक परिवारों के मिलन को भी इसी अंदाज और संदर्भ में देखा जाना चाहिए। राज्य का पवार परिवार हो या फिर ठाकरे कुनबा, अगर एक होता नजर आ रहा है या एक हुआ है तो इसका मतलब यह नहीं है कि दोनों परिवारों के प्रमुख अलंबरदारों के दिल मिल चुके हैं। बल्कि राजनीतिक संभावनाओं और अवसरों ने उन्हें एक होने को प्रेरित किया है।

चाहे ठाकरे परिवार हो या फिर पवार कुनबा, दोनों में कुछ समानताएं हैं। शरद पवार हों या बाल ठाकरे, एक दौर में दोनों की महाराष्ट्र की राजनीति में तूती बोलती थी। पिछली सदी के आखिरी दशक में तो राजनीतिक हलके का एक बड़ा हिस्सा शरद पवार को देश का भावी प्रधानमंत्री तक मानने लगा था। इसी तरह महाराष्ट्र के टाइगर के रूप में बाल ठाकरे की ख्याति रही। दोनों ही राजनीतिक खानदानों के मुखिया का स्वाभाविक उत्तराधिकारी दोनों के भतीजे ही माने जाते थे। एक दौर तक शरद के उत्तराधिकारी के तौर पर देश और प्रदेश अजित पवार को देखता था। इसी तरह शिवसैनिक भी बाल ठाकरे के भतीजे राज ठाकरे को अगली पीढ़ी का ठाकरे सीनियर मान चुका था। लेकिन जब उत्तराधिकार सौंपने की बारी आई तो पवार ने अपनी बेटी सुप्रिया सुले पर भरोसा जताया और बाल ठाकरे ने अपने छोटे बेटे राज ठाकरे को। ऐसे हालात में अजित और राज ठाकरे को अपना भविष्य चुनौतीपूर्ण लगा, राजनीतिक संभावनाएं कम होती दिखीं तो दोनों ने अपनी राह अलग कर ली। उन्नीस साल पहले राज ठाकरे ने शिवसेना से अलग होकर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना बना ली तो अजित पवार ने राष्ट्रवादी कांग्रेस के मूल धड़े पर ही कब्जा कर लिया। पार्टी के असल संस्थापक शरद पवार पुछल्ला पार्टी लेकर एक तरह से किनारे का दल संभालने लगे।

पवार परिवार और ठाकरे कुनबे में बिखराव की कहानी भी अलग-अलग रही। जब तक बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे अपनी शिवसेना को बीजेपी के साथ खड़ा रखे, तब तक तो उनके नेतृत्व को चुनौती नहीं मिली। दल का राज्य में ठीकठाक समर्थन भी रहा। हालांकि महत्वाकांक्षाओं के साथ अलग हुए राज ठाकरे को राजनीतिक सफलताएं न के बराबर मिलीं। लेकिन जब से उद्धव ने बीजेपी को छोड़ कांग्रेस और पवार की एनसीपी का साथ पकड़ा, राजनीतिक मैदान में उसका आधार घटने लगा। वहीं पवार सीनियर से अलग होने के बावजूद बीजेपी के साथ के चलते अजित का राजनीतिक रूतबा कम नहीं हुआ। अलबत्ता कभी भारत के प्रधानमंत्री मैटेरियल देखे जाते रहे वरिष्ठ पवार की सियासी साख घटती चली गई। कुनबे में बिखराव के चलते दोनों परिवारों की राजनीतिक ताकत बीजेपी के सामने बौनी होती जा रही है। एक तरह से कह सकते हैं कि दोनों परिवारों के राजनीतिक अस्तित्व पर ही सवाल उठने लगा है।

एक कहावत है, मरता क्या नहीं करता। राजनीतिक अस्तित्व पर जब बन आती है तो कम ही सियासी हस्तियां होती हैं, जो समझौते नहीं करतीं। इसे समझदारी कहें या फिर राजनीति की रवायत, ठाकरे परिवार और पवार कुनबा-दोनों ही एक होने जा रहे हैं। पारिवारिक बिखराव को समेटने की कोशिश तेज हो गई है। ठाकरे बंधु तो बाकायदा प्रेस कांफ्रेंस करके एक हो चुके हैं, जबकि पवार परिवार अपने गढ़ बारामती में एक होने का संकेत दे रहा है। बारामती में हाल ही में पवार परिवार ने एक आयोजन किया, जिसमें आज के प्रमुख उद्योगपति गौतम अडानी के मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। इसे पवार कुनबे ने खूब प्रचारित किया। इस प्रचार का संदेश साफ है कि दोनों परिवार एक होने जा रहे हैं।

चाहे ठाकरे कुनबा हो या फिर पवार परिवार, अगर दोनों एक हो रहे हैं तो उसकी सिर्फ अस्तित्व की रक्षा भी नहीं है, बीजेपी रूपी चुनौती से पार पाना भी है और मुंबई महानगर पालिका, पुणे महानगर पालिका और पिंपरी चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जे की चाहत भी है। मुंबई महानगर पालिका का सालाना बजट सत्तर हजार करोड़ रूपए का है। यह रकम उत्तर पूर्व के राज्यों के समूचे बजट से भी ज्यादा बैठती है। पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका के दायरे में एशिया का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है। जाहिर है कि यहां से कर के रूप में मोटी रकम आती है। ठाकरे परिवार की एकता के पीछे एक कारण जहां बृहन्मुंबई महानगर पालिका पर कब्जा जमाना है, वहीं पवार परिवार की एकता के पीछे पुणे महानगरपालिका और पिंपरी-चिंचवड़ महानगर पालिका पर कब्जा जमाना है। दोनों परिवारों को लगता है कि अगर वे बिखरे रहे तो उनके प्रभाव वाली महानगरपालिकाओं में उन्हें कुछ भी हाथ नहीं लगेगा। यहां यह बताना जरूरी है कि एक दौर में बीएमसी पर शिवसेना का कब्जा रहता था तो पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में पवार परिवार का। दोनों परिवारों के मिलन के पीछे की बड़ी वजह यही है।

भारतीय जनता पार्टी का इतिहास देखिए, अपने विस्तार के पहले चरण में वह अपने साथी दलों के सहयोग पर निर्भर रही। बाद के दौर में उसने खुद का प्रभाव बढ़ाया और अपने दम पर वह स्थापित होती चली गई। हरियाणा, उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात के बाद अब इसी तरह वह महाराष्ट्र में वह अपने दम पर उभर चुकी है। जबकि कुछ साल पहले तक महाराष्ट्र में एक तरह से शिवसेना के छोटे भाई की भूमिका में रहती थी। अब चाहे शिवसेना का टूटा हुआ धड़ा हो या अजित पवार वाली एनसीपी, दोनों उसके छोटे भाई की भूमिका में हैं। जिस तरह निकाय चुनावों में बीजेपी ने अपना दबदबा कायम किया है, उससे पवार परिवार की भी चिंताएं बढ़ी हैं और ठाकरे खानदान की भी। इसीलिए दोनों परिवार एक हुए हैं या होते नजर आ रहे हैं। पवार परिवार अब एक साथ पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ के चुनाव में उतरने जा रहा है तो ठाकरे परिवार मुंबई में। लेकिन यह तय है कि दोनों परिवारों के रिश्तों की मजबूती इन महापालिका चुनाव नतीजों पर निर्भर करेगी। अगर उन्हें जीत मिली तो तय है कि पारिवारिक गठबंधन आगे बढ़ेंगे, और ऐसा नहीं हुआ तो दोस्ती की नई राह तलाशने की कोशिशें फिर से तेज होंगी।

देश की प्रथम शिक्षिका और समाज सेविका के जन्मदिवस पर विशेष आलेख

जाने- कौन थी मजबूत इरादों वाली सावित्री बाई फुले जिसने पूरे देश में शिक्षा की अलख जगाई थी....?

अंधविश्वास, रुढ़िवाद, भ्रूण हत्या, बाल-विवाह, सती प्रथा, अनमेल विवाह पर रोक लगाने वाली सावित्री बाई फुले

भीम प्रज्ञा विशेष दिवस।

सावित्री बाई फूले ने ऐसे दौर में ज्ञान की अलख जगाई जिस दौर में लड़कियों का पढ़ना लिखना तो दूर, घर से बाहर निकलना भी दुश्वार था। सावित्रीबाई फुले ने बालविवाह के प्रति शिक्षित व उन्मूलन करने, सती प्रथा के ख़िलाफ़ प्रचार करने, विधवा पुनर्विवाह के लिए वकालत करने के लिए खूब मेहनत की। महाराष्ट्र में सामाजिक सुधार आंदोलन का एक प्रमुख व्यक्तित्व और बी. आर. अम्बेडकर और अन्ना भाऊ साठे के साथ दलित मंगल जाति का प्रतीक माना जाता है। इन्होंने

लेखक - मदन मोहन भास्कर

अस्पृश्यता के ख़िलाफ़ एक अभियान चलाया और जाति व लिंग पर आधारित भेदभाव को मिटाने में अपनी एक सक्रिय और अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महान लोगों का सिर्फ़ और सिर्फ़ एक ही धर्म और जाति होती है और वह है मानवता। मानव के प्रति अच्छे विचार, उनके अधिकारों के लिए अपना सर्वस्व जीवन न्योछावर करना ही इनका कर्तव्य होता है। जहां आजकल लोग धर्म, जाति, मज़हब के नाम पर आपस में उलझे रहते हैं। महज़ एक संकुचित सोच के तले इतने दबे रहते हैं कि इससे बाहर निकलकर कभी सोच ही नहीं पाते हैं। सचमुच समाज के लिए यह एक विचारणीय प्रश्नचिन्ह है। देश में महिलाएँ सदियों तक शिक्षा से वंचित रही हैं। अंधविश्वास, रुढ़िवाद, अस्पृश्यता रुकावट पैदा करने वाली प्रथा है। भ्रूण हत्या, बाल-विवाह, सती प्रथा, विधवा स्त्री के साथ तरह-तरह के अनुचित व्यवहार,अनमेल विवाह,बहु विवाह आदि प्रथाएं समाज में व्याप्त थी। समाज में जातिवाद का बोलबाला था। ऐसे समय में सावित्री बाई फुले और ज्योतिबा फुले का अन्यायी समाज और उसके अत्याचारों के खिलाफ खड़े हो जाना एक क्रांति का आगाज था।

सावित्रीबाई फुले ने अपने निस्वार्थ प्रेम,सामाजिक प्रतिबद्धता,सरलता तथा अपने अनथक-सार्थक प्रयासों से महिलाओं और शोषित समाज को शिक्षा पाने का अधिकार दिया। सावित्रीबाई फुले ने धार्मिक अंधविश्वास व रुढ़ियां तोड़कर निर्भयता और बहादुरी से घर- घर,गली-गली घूमकर महिलाओं के लिए शिक्षा की ज्योति जलाई। धर्म के ठेकेदारों ने उन्हें अश्लील गालियां दी, धर्म डुबोने वाली कहा तथा कई लांछन लगाये। यहां तक कि उन पर पत्थर एवं गोबर तक फेंका गया। सावित्रीबाई द्वारा लड़?कियों के लिए चलाए गए स्कूल बन्द कराने के लिए अनेकों प्रयास किए जाते थे। सावित्री बाई डरकर घर बैठ जाएं। इसलिए उन्हें लोगों द्वारा अनेक विधियों से तंग किया जाता था। एक बार तो उनके ऊपर एक

व्यक्ति द्वारा शारीरिक हमला भी किया गया। तब सावित्रीबाई फुले ने बड़ी बहादुरी से उस व्यक्ति का मुकाबला किया। फिर कभी उन्हें स्कूल जाने से रोकने का प्रयास नहीं किया । सावित्रीबाई फुले ने अपने अथक प्रयासों द्वारा शिक्षा पर षड्यंत्रकारी तरीके से एकाधिकार जमाए बैठी धर्म के ठेकेदारों की नींव ही हिला डाली। सावित्रीबाई को देश की पहली भारतीय महिला अध्यापिका बनने का ऐतिहासिक गौरव प्राप्त है । सावित्रीबाई फुले ने न केवल शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया अपितु भारतीय स्त्री की दशा सुधारने के लिए उन्होंने 1852 में महिलामण्डल का गठन कर भारतीय महिला आन्दोलन की प्रथम अगुवाई भी की। सावित्रीबाई फुले का जीवन एक ऐसी मशाल है, जिन्होंने स्वयं प्रज्वलित होकर भारतीय नारी को पहली बार सम्मान के साथ जीना सिखाया। सावित्रीबाई के प्रयासों से सदियों से भारतीय नारियां जिन पुरानी कुरीतियों से जकड़ी हुई थी उन्होंने उन बंधनों से उनकों मुक्त कराया तथा पहली बार भारतीय नारी ने पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर खुली हवा में सांस ली। महिलाओं को उनके सानिध्य में शिक्षा का अधिकार मिला।

■ सावित्री बाई फुले का जन्म कब और कहा हुआ?

देश की अकल्पनीय, अद्भुत, अतुलनीय, अनुकरणीय, महिलाशक्ति, नारी शिक्षापुंज, परमसम्माननीया, परमादरणीया, परमपूजनीया, परमश्रद्धेया

माता सावित्रीबाई फुले का जन्म - महाराष्ट्र के सतारा जिले के नयागांव में पिताश्री खंडोजी नेवसे के परिवार में माताश्री लक्ष्मीबाई की पावन कोख से विलक्षण पुत्री सावित्रीबाई का जन्म 03 जनवरी 1831 को हुआ।

■ सावित्री बाई फूले की मृत्यु कैसे और कब हुई?

महान समाजसेविका माता सावित्रीबाई फुले के योगदान को आज भी याद किया जाता है। उनके संघर्ष की कहानी और अनमोल विचार शिक्षित होने, अन्याय के प्रति लड़ने और कुछ करने का जोश भरते हैं। सावित्री बाई के दत्तक पुत्र ने भी डॉ. के रूप में लोगों की सेवा करना शुरू कर दिया। सन् 1897 में जब प्लेग नामक महामारी ने महाराष्ट्र के इलाकों को बूरी तरह अपने चपेट में लेना प्रारंभ किया तब सावित्रीबाई फूले और उनके दत्तक पुत्र ने संक्रमित लोगों का इलाज करने के लिए पुणे के बाहरी इलाके में एक क्लीनिक खोला। सावित्रीबाई, पीड़ितों को उस क्लीनिक तक लेकर जाती जहां उनका बेटा उन संक्रमित पीडितों का इलाज करता था। इस तरह रोगियों की सेवा करते करते सावित्री बाई फुले भी इस ख़तरनाक बीमारी की चपेट में आ गई। 10 मार्च 1897 को सावित्री बाई की प्लेग बीमारी के कारण मृत्यु हो गई। सावित्रीबाई फूले का पूरा जीवन समाज सेवा में बीता। इन्होंने ग़लत रीतियों के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाई। महिलाओं के हक़ के लिए लड़ाई लड़ी। और आख़िर में लोगों की सेवा करते करते अंतिम सांस ली। समाज की सदियों पुरानी बुराइयों पर अंकुश लगाने और महिलाओं को शिक्षित कर सशक्त बनाने, उन्हें समाज में सम्मान दिलाने, उनके अधिकारो के लिए इनके द्वारा किए गए अनूठे कार्यों के लिए सम्पूर्ण भारतवर्ष सदैव इनका ऋणी रहेगा।

■ सावित्री बाई फूले का विवाह

उन दिनों लड़कियों का जल्दी ही विवाह कर देने की प्रथा प्रचलित थी। इसलिए इनका विवाह भी जल्दी ही हो गया। सावित्रीबाई का विवाह 09 वर्ष की अल्पायु में सतारा के गोविंदराव फुले व चिमणाबाई फुले के 12 वर्षीय नाबालिग होनहार बेटे ज्योतिबा फुले के साथ 1840 में हुआ। ज्योतिबा फूले एक विचारक, लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता और जाति विरोधी एक सामाजिक सुधारक थे। ज्योतिराव फूले को महाराष्ट्र के सामाजिक सुधार आंदोलन के प्रमुख आंदोलनकारियों में विशेष रूप से गिना जाता है।

■ सावित्री बाई फूले की शिक्षा

सावित्री बाई की शिक्षा उनकी शादी के बाद ही शुरू हुई। उनके पति ज्योतिबा फुले ही थे जिन्होंने सावित्री बाई को शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। इन्होंने एक सामान्य स्कूल से कक्षा तीसरी और चौथी की परीक्षा पास की। इसके बाद इन्होंने अहमदनगर के मिसपराग इंस्टीट्यूशन में आगे का प्रशिक्षण प्राप्त किया। ज्योतिराव फूले अपने सभी सामाजिक प्रयासों में अपनी पत्नी सावित्री बाई फूले के पक्ष में दृढ़ता से खड़े रहते थे। पुणे में सन 1848 में लड़कियों के लिए देश का पहला स्वदेशी स्कूल ज्योतिराव और सावित्रीबाई फूले के द्वारा शुरू किया गया था। लेकिन इन दोनों के द्वारा उठाए गए इस क़दम के लिए परिवार और समाज द्वारा इन दोनों का ही बहिष्कार कर दिया गया था। भला हो इनके एक दोस्त उस्मान शेख़ और उनकी बहन फ़ातिमा शेख़ का जिन्होंने इन दोनों को आश्रय दिया था। केवल आश्रय ही नहीं अपितु उन्होंने अपने परिसर में इन दोनों को अपना स्कूल शुरू करने के लिए स्थान भी दिया था। इस प्रकार सावित्री बाई स्कूल की पहली शिक्षिका बनी। महात्मा ज्योतिबा फुले ने अपनी जीवनसाथी को शुरुआत में खेत में आम के पेड़ के नीचे बालू मिट्टी पर पढ़ाना शुरू किया और उसके बाद धार्मिक व्यवस्था का विरोध करके बाजाप्ता नाम लिखवाकर माता सावित्रीबाई फुले को आठवीं तक शिक्षा दिलवाई।

■ विवाह के बाद बनी शिक्षिका -

सावित्रीबाई का विवाह 9 वर्ष की आयु में ही ज्योतिराव फुले साथ हो गया। उनके पति उस समय तीसरी कक्षा में पढ़ते थे। सावित्रीबाई ने अपने पति से शिक्षा हासिल करने की इच्?छा जाहिर की और ज्?योतिराव ने भी इसमें उनका साथ दिया। लेकिन जब सावित्रीबाई पढ़ने के लिए जाती थीं तो लोग उनपर पत्?थर, कूड़ा और कीचड़ फेंकते थे। फिर भी उन्?होंने हार नहीं मानी और हर चुनौती का सामना किया।

■ देश का पहला महिला विद्यालय खोला-

सावित्रीबाई फुले ने खुद तो शिक्षा हासिल की और साथ ही तमाम लड़कियों को शिक्षा देने के लिए 1848 में पति ज्योतिराव के सहयोग से महाराष्ट्र के पुणे में देश का पहला बालिका विद्यालय खोला। वह अपने विद्यालय की प्रधानाचार्या बनीं। इस कार्य के लिए सावित्रीबाई को ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने भी सम्मानित किया था।

■ देश में महिला शिक्षा का आगाज -

देश की प्रथम शिक्षिका सावित्रीबाई फुले ने भारत में रूढ़िवादी परम्पराओं के विरूद्ध महिलाओं को शिक्षा देने का आगाज 01 जनवरी, 1848 को किया। जिसका धर्म के ठेकेदारों ने जमकर विरोध किया, परन्तु माता सावित्रीबाई फुले के अदम्य साहस के आगे उनकी एक ना चली। प्रथम छात्राओं के रूप में अन्नपूर्णा जोशी (5 वर्ष), सुमति मोकाशी (4 वर्ष), दुर्गा देशमुख (6 वर्ष), माधवर धते (6 वर्ष), सोनू पँवार (4 वर्ष) और जानी करडिले (5 वर्ष) ने विद्यालय में दाखिला लिया।

■ मजदूर शिक्षा-

मजदूरों को शिक्षा देने के लिए माता सावित्रीबाई फुले ने रात्रिकालीन विद्यालयों का संचालन भी किया।

■ वंचितों के लिए शिक्षा का सैलाब -

महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्रीबाई फुले ने पिछड़ों व महिलाओं के लिए 71 शिक्षण संस्थान खोलकर शिक्षा जगत में क्रांति का बिगुल बजा दिया।

■ देश का प्रथम प्रसूति ग्रह -

समाजसेविका सावित्रीबाई फुले ने बाल हत्या और बाल विधवा हत्या को रोकने के लिए देश में पहला अवैध प्रसूति केन्द्र खोलकर बालिकाओं और विधवाओं का जीवन बचाने का साहस किया। विदित हो कि रूढिवादी परम्पराओं के अनुसार बच्चियों का जन्म अशुभ माना जाता था और विधवाओं को असामाजिक तत्व गर्भवती कर देते थे। ऐसी महिलाएं वहाँ अपने बच्चों को जन्म देकर सुरक्षित हो जाती थीं। कुआँ खुदवा कर पानी व्यवस्था करना - जाति व्यवस्था इतनी अमानवीय थी कि अछूतों, शोषितों, गरीबों के लिए सार्वजनिक कुओं से पानी भरना बिल्कुल मना था। वो दूसरों की दया पर निर्भर थे। ऐसी निंदनीय व्यवस्था को ठोकर मारकर जलदायनी सावित्रीबाई फुले ने जातिवादियों के भारी विरोध को दरकिनार करके वंचितों के लिए अलग से कुआँ खुदवाकर साफ जल की व्यवस्था की।

■ सफाई कर्मियों का सामाजिक सुधार -

माता सावित्रीबाई फुले ने सफाई कर्मियों के सामाजिक, स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी सुधार के लिए भी काम किया। अवकाश के दिन उनके घरों पर जाकर जानकारी लेती थी और उनके बेहतर जीवन के लिए काम करती थी।

■ अकाल पीड़ितों की पालनहार -

सन 1876-77 में पूना में भयंकर अकाल पड़ा था। उस अकाल से प्रभावित लोगों की मदद के लिए अपने पति महात्मा ज्योतिबा फुले के साथ धनाढ्य लोगों से चंदा लेकर जरूरतमंदों को आवश्यक सामग्री का वितरण करती थी तथा 52 अन्न राहत शिविर खोले थे।

■ विधवा कल्याण कार्य -

हिंदू धर्म में विधवाओं की स्थिति बहुत दयनीय थी। उनका पुनर्विवाह मना था। उनके सिर के बाल काट दिये जाते थे जिसका माता सावित्रीबाई फुले ने विरोध किया और नाइयों को विधवाओं का मुंडन नहीं करने के लिए मना करवा दिया। विधवा विवाह करने के लिए लोगों को जागरूक किया।

■ उचित हिस्से के लिए नाइयों की हड़ताल-

ब्राह्मण नाइयों से बाल कटवाने के अलावा निमंत्रण भी दिलवाने का काम करते थे, परन्तु उनका उचित हिस्सा नहीं देते थे तो इसके लिए माता सावित्रीबाई फुले ने अपने पति महात्मा ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर नाइयों की हड़ताल की और उन्हें उनका उचित हिस्सा दिलवाना शुरू करवाया।

■ शराब विरोधी आंदोलन चलाया-

गरीब, मजदूर लोग शराबखोरी में रिश्वतखोर हाकिमों के शिकार हो जाते थे और परिवार परेशान होते थे जिसके विरोध में भी माता सावित्रीबाई फुले ने सफलतापूर्वक आंदोलन चलाया था।

■ साहित्यकार-

शिक्षिका सावित्रीबाई फुले ने अपने लोगों के मार्गदर्शन करने के लिए साहित्य का भी सर्जन किया।

■ किताब पढ़ने पर पिता ने डांटा-

सावित्रीबाई फुले भाई-बहनों में सबसे छोटी थीं। वह ऐसा दौर था जब दलित, पिछड़े वर्ग और महिलाओं को शिक्षा से वंचित रखा जाता था लेकिन सावित्रीबाई पढ़ना चाहती थीं। एक दिन जब उन्होंने अंग्रेजी किताब पढ़ने की कोशिश की तो पिता ने किताब फेंक कर डांट लगाई। इसी दिन सावित्रीबाई ने प्रण लिया कि वह शिक्षा हासिक करके रहेगी।

■ महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ीं लंबी लड़ाई-

शिक्षा हासिल करने और विद्यालय खोलने के बाद भी सावित्रीबाई का संघर्ष समाप्त नहीं हुआ।इसके बाद उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए भी लंबी लड़ाई लड़ी। नारी मुक्ति आंदोलन की प्रणेता सावित्रीबाई फुले ने समाज में फैली छुआछुत को मिटाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने समाज में शोषित हो रही महिलाओं को शिक्षित कर अन्?याय के खिलाफ आवाज उठाना सिखाया।

■ सामाजिक कुरीतियों के ख़िलाफ़ संघर्ष

सावित्री बाई फुले ने उन दिनों विधवा बन जानी वाली महिलाओं के बाल मुंडवा दिए जाते थे। उन विधवाओं के बाल मुंडवाए जाने की इस प्रथा के ख़िलाफ़ मुंबई और पुणे में नायिकी हड़ताल का आयोजन करने में भी सफलता हासिल की थी। फूले दंपत्ति द्वारा उन दिनों चलाए जा रहे तीनों स्कूलों को सन 1858 तक बंद कर दिया गया था। दरअसल 1857 के बाद भारतीय विद्रोहों के बाद, स्कूल प्रबंधन समिति से ज्योतिराव ने स्तीफ़ा दे दिया था। इन दोनों पर समाज द्वारा, पीड़ित और शोषित समुदाय के बच्चों को शिक्षित करने का आरोप लगाया गया था। लेकिन 1 वर्ष बाद सावित्री बाई फूले के द्वारा 18 स्कूल खोले गए। जहां सावित्री बाई ने विभिन्न जातियों के बच्चों को पढ़ाया। सावित्री बाई उन युवा लड़कियों के लिए प्रेरणा बनी हुई थीं जिनको उन्होंने पढ़ाया था। सावित्री बाई फूले ने शिक्षा के साथ साथ लेखन और पेंटिंग जैसी गतिविधियों के लिए भी लगातार प्रोत्साहित किया। इस कारण सावित्री बाई के कुछ शिष्यों के द्वारा लिखे गए निबंधों ने तो आगे चलकर समाज के लिए नई सोच और जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण योगदान देना शुरू कर दिया। सचमुच यह लेखन साहित्य के क्षेत्र में एक नया आयाम ही था। जो समाज को एक नई दिशा देने में मददगार साबित हुआ। वर्ष 1867 में ज्योतिराव और सावित्री बाई ने एक देखभाल केंद्र भी शुरू किया। जो कि भारत का पहला ऐसा केंद्र था जहां बाल हत्याओं से बचने, गर्भवती महिलाएं, बलात्कार से पीड़ित महिलाएं सुरक्षित रह सकती थीं। यह अत्यंत ही प्रशंसनीय प्रयास था जहां विधवाओं की हत्या के साथ साथ शिशुओं की हत्या को भी कम करने का प्रयास किया जा रहा था। ज्योतिराव और सावित्री बाई ने सन 1874 में काशी बाई नामक एक ब्राह्मण विधवा से एक बच्चा गोद लेकर समाज को एक मज़बूत संदेश दिया। यही दत्तक पुत्र बड़ा होकर डॉ. बना। सावित्री बाई ने बाल विवाह और सती प्रथा जैसी सामाजिक बुराई के ख़िलाफ़ अपना मोर्चा खोला। इसके अन्तर्गत उन्होंने बाल विधवाओं को शिक्षित व सशक्त बनाकर उन्हें मुख्य धारा में लाने का भरसक प्रयास किया।

सावित्रीबाई और ज्योतिराव ने छुआछूत और जातिप्रथा जैसी कुरीतियों के उन्मूलन के लिए भी कार्य किया। उन्होंने निचली जातियों के अधिकारों के लिए अपना अनूठा योगदान दिया। सावित्री बाई और ज्योतिराव ने उस समय अपने घर में अछूत लोगों के पानी पीने के लिए एक कुआं बनाया जिन दिनों अछूतों को अपने कुओं से पानी पीने का अधिकार तक नहीं दिया जाता था। 1983 में पुणे सिटी कार्पोरेशन द्वारा उनके सम्मान में उनका स्मारक बनाया गया था। इंडिया पोस्ट ने 10 मार्च 1998 को उनके सम्मान में एक डाक टिकिट जारी किया था। 2015 में पुणे विश्वविद्यालय का नाम बदलकर उनके ही नाम पर सावित्रीबाई पुणे विश्वविद्यालय कर दिया गया था। यूनिवर्सल सर्च इंजन गूगल ने 3 जनवरी 2017 को गूगल डूडल के साथ उनकी 189वीं जयंती मनाई थी। आजकल महाराष्ट्र महिला समाज सुधारकों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सावित्री बाई पुरस्कार दिया जाता है।

सुमन वर्मा डॉ. अंबेडकर राजस्थान सेवा सम्मान-2025 से सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । भारतीय दलित साहित्य अकादमी राजस्थान द्वारा बारा जिले के अटरू तहसील में स्थित खेड़ली गंज निजी रिसोर्ट में 28 दिसंबर को आयोजित 17वें अंतर-राज्य शिक्षा, साहित्य एवं समाज सेवा सम्मान समारोह में अकादमी के प्रदेशाध्यक्ष प्रो. स्वामी आत्माराम उपाध्याय, प्रधान वंदना नागर, अकादमी के राष्ट्रीय सचिव व सरपंच संघ के प्रदेश मुख्य संरक्षक कृष्ण मुरारी दिलावर, अकादमी सिक्किम एंड वेस्ट बंगाल की कॉर्डिनेटर शांति सुन्दस, लॉर्ड बुद्धा संस्थान यूपी की अध्यक्ष एडवोकेट सुंदरी डोगर, अकादमी के प्रदेश महामंत्री भोमाराम बॉस, सामाजिक एकता मंच के अध्यक्ष इस्लाम मलिक, अकादमी महिला प्रकोष्ठ की प्रदेशाध्यक्ष हेमलता कांसोटिया, अकादमी के राष्ट्रीय सचिव बाबूलाल निर्मल, प्रदेश कॉर्डिनेटर संजय मेघवाल सहित अतिथियों ने सामाजिक कार्यकर्ता सुमन वर्मा को समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डॉ. अंबेडकर राजस्थान सेवा सम्मान-2025 से सम्मानित किया।

आयुर्वेद शिविर का फॉलोअप, सकुशल नजर आएं रोगी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

राष्ट्रीय आयुष मिशन और आयुर्वेद विभाग झुंझुनूं के द्वारा मलसीसर रोड़ स्थित एनआरडीडी अस्पताल परिसर में लगाए गए दस दिवसीय अंतरंग क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर का शुक्रवार को फॉलोअप शिविर रखा गया। इस फॉलोअप शिविर में मुख्य शल्य चिकित्सक डॉ.सुनिल कानोडिया के द्वारा परीक्षण करने के बाद बताया गया कि सभी रोगी पूर्णतः स्वस्थ एवं सकुशल है। शिविर प्रभारी एवं राजकीय बीडीके आयुर्वेद औषधालय के वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ.महेश माटोलिया ने बताया कि 15 दिसंबर से 24 दिसंबर तक दस दिवसीय शिविर में 103 मरीजों का सफल क्षार सूत्र शल्य चिकित्सा द्वारा इलाज किया गया था। इस फॉलोअप शिविर में डॉ. सुनिल कुमार,डॉ. नवीन कुमार,डॉ. विकास कुमार, वरिष्ठ नर्स सुशिला, रीटा, कंपाउंडर सुनिल कुमार, देवकरण एवं कुलदीप ने अपनी सेवाएं दी।

झुंझुनूं के विकास कुमार को 'शिक्षा श्री' पुरस्कार से किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

बीकानेर के सीथल में आयोजित देश की आधी आबादी नारी शक्ति के पूर्ण योगदान पर दो दिवसीय (21-22 दिसंबर 2025) को अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी व पुस्तक विमोचन के अवसर पर देश-विदेश की 251 महिलाओं को उनके विभिन्न क्षेत्रों में दिए गए योगदान के लिए सम्मानित किया गया जिसमें झुंझुनू के व्याख्याता विकास कुमार को उनके बालिका शिक्षा के योगदान के लिए सम्मानित किया गया,जिन्होंने अपने जिले का मान बढ़ाकर मिशाल पेश की है। निदेशक अनिल शर्मा और प्रधानाचार्य ने सम्मान पर पत्र प्राप्त करने वाले व्याख्याता विकास कुमार को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना के साथ इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस पर व्याख्याता विकास कुमार ने बालिका शिक्षा के ऊपर अपना प्रस्तुतिकरण दिया।

अटेली रेलवे स्टेशन पर तीन ट्रेनों के शीशे तोड़ने वाले अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज, पुलिस ने मौका मुआयना किया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । अटेली रेलवे स्टेशन पर खाटू श्याम जाने वाले भीड़ द्वारा नववर्ष पर बुधवार रात्रि को तीन गाड़ियों के शीशे तोड़ने के मामले में पुलिस ने स्टेशन का अवलोकन किया। बुधवार रात्रि को ट्रेन के दरवाजे नहीं खुलने पर क्रोधित भीड़ ने रींगस जाने वाली ट्रेनों के खिड़कियों व दरवाजे के शीशे तोड़ दिये थे। आरपीएफ के सब इंस्पेक्टर रमेश कुमार ने मौका मुआयना कर बताया कि प्लेट फार्म नंबर दो पर गाडियों के टूटे हुए शीशे को देखा गया है। हालांकि आरपीएफ ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। ट्रेन के शीशे तोड़ने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

श्री कृष्ण बाल गोपाल गौशाला बिहाली में 4 को आम सभा बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । श्री कृष्ण बाल गोपाल गौशाला बिहाली में बैठक चार जनवरी को आम सभा की बैठक का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए गौशाला प्रधान महावीर सिंह ने बताया कि बैठक में गौशाला की आगामी कार्यकारिणी के गठन पर भी विचार किया जाएगा। वहीं नए साल पर एक नई रूपरेखा बनाकर आगामी कार्यों पर चर्चा की जाएगी।

सड़कों पर लगे पोल हटें

सर्विस रोड बने, गंगानगर सर्किल पर फुट ओवरब्रिज जरूरी, बस स्टॉप सड़क से हटकर बनें, बाजार में हो पार्किंग

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर/बीकानेर । जोधपुर तो दूर, उदयपुर-कोटा की टक्कर में भी बीकानेर में बहुत बदलाव की जरूरत है। करमीसर फांटे से गजनेर रोड और श्रीगंगानगर चौराहे तक सिक्स लेन की जरूरत है। मोड़ वाले रास्तों पर आइलैंड बनाने होंगे। यहां सर्विस रोड बहुत जरूरी है। भुट्टो के चौराहे से श्रीगंगानगर चौराहे तक करीब 15 पोल रोड पर हैं। उन्हें हटाकर सड़क चौड़ी करनी होगी। बस स्टॉप सिक्स लेन छोड़कर ही बनाए जाएं। कोठारी अस्पताल के पास टी-प्वाइंट पर लाइट लगे। अगर हाईवे के किनारे से पोल अंदर किए जाएं तो 20 फीट सड़क और निकल सकती है। प्रत्येक चौराहे पर फुट ओवरब्रिज बने। म्यूजियम सर्किल, श्रीगंगानगर सर्किल पर तो यह जरूरी है। हल्दीराम प्याऊ से बाइपास तक फोर लेन और सर्विस रोड बनाना जरूरी है। हल्दीराम प्याऊ से म्यूजियम सर्किल पर हर मोड़ पर ट्रैफिक लाइट की जरूरत है। म्यूजियम सर्किल पर जयपुर रोड की तरफ जाने वालों को स्पष्ट जगह मिलनी चाहिए, जो पीबीएम की ओर मुड़ने वाले घेर लेते हैं।

सीमाओं पर समर्पण, साहस और अनुशासन की मिसाल बने सुखबीर सिंह

हंसास गांव के नौजवान आईटीबीपी में 38 वर्षों की गौरवशाली सेवा के बाद कमांडेंट पद पर पदोन्नति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

कहते हैं कि कठिन परिस्थितियाँ ही मजबूत व्यक्तित्व का निर्माण करती हैं। इस कथन को अपने जीवन से चरितार्थ किया है। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल (आईटीबीपी) के जांबाज़ अधिकारी सुखबीर सिंह ने, जिन्हें उनकी ईमानदार, साहसी और अनुकरणीय सेवाओं के लिए 01 जनवरी 2026 को कमांडेंट पद पर पदोन्नत किया गया है। सुखबीर सिंह का जन्म 10 जुलाई 1966 को राजस्थान के झुंझुनूं जिले के ग्राम हंसास में एक साधारण मध्यमवर्गीय किसान परिवार में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा खेतड़ी नगर (झुंझुनूं) से प्राप्त करने के बाद उन्होंने उच्च शिक्षा देहरादून (उत्तराखंड) से पूर्ण की। सीमित संसाधनों के बावजूद राष्ट्रसेवा का संकल्प लेकर उन्होंने 02 जनवरी 1988 को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल में प्रवेश किया। सेवा काल के दौरान उन्होंने कश्मीर घाटी सहित देश के अत्यंत संवेदनशील, दुर्गम

और आतंक प्रभावित क्षेत्रों में तैनाती के दौरान अदम्य साहस, मानसिक दृढ़ता और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय दिया। कठिन परिस्थितियों में भी आतंकवाद के खिलाफ मोर्चा संभालते हुए उन्होंने यह सिद्ध किया कि देश की सीमाओं की रक्षा केवल हथियारों से नहीं, बल्कि अनुशासन और संकल्प से होती है।

दिसंबर 1995 में उत्तरकाशी घाटी में सेना और आईटीबीपी की संयुक्त पेट्रोलिंग के दौरान भारत-चीन सीमा पर एक शहीद जवान का पार्थिव शरीर, उसका व्यक्तिगत हथियार एवं 10 राउंड एम्युनिशन बरामद कर उन्होंने संवेदनशीलता, साहस और मानवीय मूल्यों का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। वर्ष 1996 से 2006 के बीच वे विशेष सुरक्षा दस्ता (एसपीजी) में तैनात रहे, जहाँ उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा, आई.के. गुजराल, अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. मनमोहन सिंह सहित अनेक विशिष्ट व गणमान्य व्यक्तियों की सुरक्षा का दायित्व पूरी निष्ठा और कुशलता से निभाया। इसके अतिरिक्त, वर्ष 2018-19 में संयुक्त राष्ट्र मिशन के अंतर्गत कांगो में भारतीय शांति सेना के साथ सेवाएं देकर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी भारतीय सुरक्षा बलों की अनुशासित और शांतिप्रिय छवि को सुदृढ़ किया। अपनी ईमानदारी, कर्तव्यपरायणता और विशिष्ट सेवाओं के लिए उन्हें समय-समय पर महानिदेशक स्मृति चिन्ह (गोल्ड डिस्क/एक स्टार), संयुक्त राष्ट्र पदक (यूएन मेडल) तथा 74वें स्वतंत्रता दिवस पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा पुलिस पदक से सम्मानित किया जा चुका है। अब कमांडेंट पद पर पदोन्नति के साथ सुखबीर सिंह ने न केवल आईटीबीपी बल का, बल्कि अपने गांव, जिले और पूरे राजस्थान का नाम गौरवान्वित किया है। उनका जीवन यह संदेश देता है कि ईमानदार मेहनत, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति से कोई भी साधारण व्यक्ति असाधारण ऊँचाइयों तक पहुँच सकता है।

युवाओं के लिए प्रेरणा

सुखबीर सिंह का संघर्षपूर्ण और गौरवशाली जीवन आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और नीयत राष्ट्रसेवा की हो, तो कठिन से कठिन रास्ता भी सफलता में बदल जाता है।

नीमराना पुलिस का नया अभियान: बाइक पर पीछे बैठने वालों के लिए भी हेलमेट अनिवार्य, चालान की कार्रवाई शुरू

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नए साल से नीमराना पुलिस ने सड़क सुरक्षा को लेकर एक नया अभियान शुरू किया है, जिसमें बाइक पर पीछे बैठने वाले व्यक्ति के लिए भी हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। हेलमेट नहीं होने की स्थिति में अब चालान कार्रवाई की जाएगी। इस नियम का पालन नहीं करने पर जुर्माना भरना पड़ेगा। इस अभियान की शुरुआत नए साल पर बहरोड़ जिले के नीमराना में पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार ने की। उन्होंने नीमराना पुलिस थाने में एक बाइक चालक पुलिसकर्मी और उसके पीछे बैठे दूसरे पुलिसकर्मी को हेलमेट पहनाकर इस अभियान की औपचारिक शुरुआत की। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार ने बताया कि उनके कार्यभार संभालने से पहले कोटपूतली-बहरोड़ जिला दुर्घटनाओं में नंबर दो पर था, जिससे काफी पीड़ा हुई। इस पर सबसे पहले 'लेन ड्राइव सिस्टम' शुरू किया गया, जिससे हाइवे पर दुर्घटनाओं में कमी आई। हेलमेट नहीं पहनने वालों के खिलाफ कॉलेज और स्कूलों में भी अभियान चलाया गया, जहां बच्चों को हेलमेट की अहमियत और यातायात नियमों की जानकारी दी गई। लोगों को जागरूक करने के बाद अब इसे धरातल पर लाने की पहल की जा रही है, जिसकी शुरुआत पुलिस विभाग से ही की गई है। अब जो सिपाही बाइक चलाएगा, वह तो हेलमेट पहनेगा ही, साथ ही पीछे बैठने वाला व्यक्ति भी हेलमेट पहनेगा। इसके तहत आज भामाशाहों और समाजसेवियों के सहयोग से हेलमेट वितरण का कार्य भी शुरू किया गया है।

नीमराना के रोडवाल गांव में बोलेरो से फायरिंग: ग्रामीणों में दहशत, पुलिस जांच में जुटी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना थाना क्षेत्र के रोडवाल गांव में गुरुवार रात 9 बजे तेज रफ्तार बोलेरो से फायरिंग की घटना सामने आई, जिससे गांव में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने बताया कि बोलेरो सवार कुछ युवकों ने तेज गति से गाड़ी चलाने पर मना करने पर फायरिंग कर दी और मौके से फरार हो गए। डीएसपी चारुल गुप्ता ने बताया कि गुरुवार की रात 9 बजे रोडवाल गांव में फायरिंग की सूचना मिली थी। टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ युवकों ने फायरिंग की, लेकिन जांच से पहले कुछ भी कहना संभव नहीं है। ग्रामीणों की ओर से थाने में दी गई शिकायत में बताया गया कि अंकित निवासी रोडवाल गांव की गलियों में तेज रफ्तार बोलेरो गाड़ी चला रहा था। जब गांव वालों ने उसे टोका तो वह मौके से निकल गया। इसके बाद गुरुवार रात 9 बजे अंकित अपने साथी सोनू निवासी महेंद्रगढ़ और अन्य चार से पांच लोगों के साथ बोलेरो गाड़ी से गांव के बनिया का मोहल्ला पहुंचे और तेज रफ्तार से गाड़ी चलाते हुए लोगों को कुचलने की कोशिश की। इस दौरान गाड़ी से निकले कुछ युवकों ने फायरिंग कर दी और मौके से फरार हो गए।

ग्रामीण सुबेसिंह ने बताया कि रात करीब 9 बजे बोलेरो में सवार युवक हल्ला-गुल्ला करते हुए पहुंचे और कुछ ही देर बाद कई राउंड फायरिंग कर दहशत फैला दी। फायरिंग के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

विरोध प्रदर्शन: चंवरा चौफुल्या में भाजपा व पर्ची सरकार के खिलाफ लगे जमकर मुर्दाबाद के नारे

वार्डों के फेरबद को लेकर पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी पर लगे आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

जिप वार्डों की पुनर्गठन सूची को लेकर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री की शव यात्रा व पुतला जलाकर किया विरोध

सुमेर मीणा । उपखंड के चंवरा चौफुल्या में गुरुवार को आठ गांवों के ग्रामीणों ने युवा नेता आनंद सिंघानिया वह मूलचंद सैनी पूर्व सरपंच के नेतृत्व में भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। जो हाल ही में जारी की जिला परिषद वार्डों की पुनर्गठन सूची। जिसको लेकर ग्रामीणों ने चौफुल्या बाजार के चौराहे पर मुख्यमंत्री की शव यात्रा निकालकर पुतला फूंका। और भाजपा सरकार व उदयपुरवाटी पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा है कि पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी ने जिला परिषद के वार्डों को तोड़कर इधर-उधर जुड़वाया गया है। पौख के पूर्व सरपंच मूलचंद सैनी ने बताया कि भाजपा के नेता ने हमारे आठों गांवो के भाईचारे को तोड़ने का काम किया है। हम मिल जुल कर रह रहे थे। जो इस तरह की राजनीति और काम किया तो हम आपको वार्ड पंच भी नहीं बनने देंगे।और किसी भी सूरत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। युवा नेता आनंद सिंघानिया ने बताया कि हमारे वार्ड बागोली से चंवरा तक एक ही वार्ड था। जिसके चलते पूर्व विधायक ने तीन टुकड़े करवा दिए। ककराना पंचायत को चारावास के साथ जोड़ दिया गया। किशोरपुरा को टोडी के साथ ,खौह मणकसास को कोट पंचायत के साथ जोड़ दिया गया जो सरासर गलत है। मोहनलाल सैनिक किशोरपुरा ने कहा कि अगर वार्डों की जनसंख्या ज्यादा या काम हो रही थी तो कोई भी साइड से एक दो पंचायत दूसरे वार्ड में जोड़ देते। लेकिन वार्ड के तीन टुकड़े कर दिए। भाजपा सरकार समय रहते हुए वर्णों को फिर से यथावत रखने का काम करें। अन्यथा उग्र आंदोलन के साथ विरोध प्रदर्शन व चक्का जाम होगा। विरोध प्रदर्शन करने वालों में भरत कटारिया ककराना, विक्रम गुर्जर, बंटी सैनी किशोरपुरा, राजकुमार सैनी चंवरा, छात्र नेता विकास सैनी, विक्की सैनी, छोटेलाल सैनी कालाकांकरा, भोलाराम वार्ड पंच चंवरा,ईशान लुनीवाल पौख, दिलीप कुमार, विकास सैनी, मानसिंह, ढोलुराम, मोहनलाल, जयराम सैनी दीपपुरा, राकेश कुमार ,हंसराज, सांवरमल, प्रहलाद राय सैनी आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

नव वर्ष पर कच्ची बस्तियों में कंबल वितरण कर दिया सामाजिक समरसता का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट की ओर से नव वर्ष की पूर्व संध्या पर एक अनुकरणीय सामाजिक पहल करते हुए नव वर्ष को 'अपनों के साथ' मनाने का संदेश दिया गया। ट्रस्ट ने समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े जरूरतमंद परिवारों को बराबरी का एहसास दिलाने के उद्देश्य से कच्ची बस्तियों में कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। ट्रस्ट के संरक्षक सुभाष जोशी, प्रकाश पासोरिया, गिरधरलाल जाजोदिया एवं भाजपा युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष चंद्रकांत जाजोदिया के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष जाजोदिया की ओर से ट्रस्ट को प्राप्त कंबलों का जरूरतमंद लोगों को वितरित की गई।इस अवसर पर ट्रस्ट प्रभारी राजेंद्र कुमार शर्मा, दिव्यांग प्रकोष्ठ प्रभारी कमल कुमावत, रामपाल कुमावत, लोकित दईया, रोहित दईया,विजय कुमावत, हरलाल गवारिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मंडावर में पंचायत समिति कार्यालय को धरातल पर संचालित कराने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

मंडावर विकास संघर्ष समिति के बैनर तले उपखंड अधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर शहर में स्वीकृत पंचायत समिति कार्यालय को वास्तविक रूप से संचालित कराने और उसके लिए पृथक भवन उपलब्ध कराने की मांग को लेकर शुक्रवार को मंडावर विकास संघर्ष समिति के नेतृत्व में क्षेत्र के लोगों ने उपखंड कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी अमित वर्मा को ज्ञापन सौंपा। समिति अध्यक्ष व क्षेत्र के प्रमुख समाजसेवी (पूर्व सरपंच) रामनिवास गोयल की अध्यक्षता में सौंपे गए ज्ञापन में इस स्थिति को गंभीर प्रशासनिक लापरवाही बताते हुए कहा गया कि लगभग दो वर्ष पूर्व मंडावर शहर को पंचायत समिति का दर्जा प्रदान किया गया, लेकिन आज तक इसका लाभ आमजन को नहीं मिल पाया है। ज्ञापन में बताया गया कि तत्कालीन परिस्थितियों में पृथक सरकारी भवन उपलब्ध नहीं होने के कारण पंचायत समिति कार्यालय का औपचारिक शुभारंभ नगरपालिका भवन के ऊपरी तल पर स्थित एक हॉल में किया गया था, किंतु शुभारंभ के अगले ही दिन से उक्त हॉल पर ताला लगा दिया गया। इसके बाद न तो वहां पंचायत समिति कार्यालय का नियमित संचालन हुआ और न ही विकास अधिकारी अथवा अन्य किसी कर्मचारी की उपस्थिति सुनिश्चित की गई। परिणामस्वरूप पंचायत समिति गठन से जुड़ी क्षेत्रवासियों की सभी वैधानिक अपेक्षाएं अधूरी रह गई हैं। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि कागजों में पंचायत समिति कार्यालय मौजूद होने के बावजूद धरातल पर उसके संचालन का पूर्ण अभाव है, जिससे मंडावर सहित आसपास के ग्रामीणों को पंचायत समिति से संबंधित कार्यों के लिए कई किलोमीटर दूर महवा जाना पड़ रहा है। इससे आमजन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है और समय व संसाधनों की अनावश्यक हानि हो रही है, जो प्रशासनिक दृष्टि से भी अनुचित है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि मंडावर शहर वर्तमान में उपखंड कार्यालय, तहसील, नगरपालिका, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, राजकीय शिक्षण संस्थान, पुलिस थाना, जलदाय एवं विद्युत विभाग के सहायक अभियंता कार्यालय तथा 220 केवी ग्रिड सब स्टेशन जैसे प्रमुख सरकारी प्रतिष्ठानों के साथ एक सुदृढ़ प्रशासनिक केंद्र के रूप में स्थापित है और पंचायत समिति कार्यालय के निर्बाध संचालन के लिए हर दृष्टि से उपयुक्त स्थान है।

इसके बावजूद पंचायत समिति कार्यालय को केवल कागजी दर्जा देकर छोड़ देना शासन की मंशा के विपरीत बताते हुए मांग की गई कि मंडावर शहर में पंचायत समिति के लिए शीघ्र पृथक भवन उपलब्ध कराया जाए, वर्तमान में तालाबंद पड़े कार्यालय को तत्काल खोला जाए, नियमित कार्यालय संचालन सुनिश्चित किया जाए तथा विकास अधिकारी सहित सभी संबंधित कर्मचारियों की दैनिक उपस्थिति अनिवार्य की जाए, ताकि पंचायत समिति की स्थापना का उद्देश्य धरातल पर साकार हो सके। इस अवसर पर संघर्ष समिति के सचिव नरेश बंसल सहित कबीर, निरंजन, दुलीचंद बैरवा, फजरू खां, जमशेद खां, फकरु खां, सन्नी गर्ग, रामजीत गुर्जर, मौसम खां, वसीम अकरम खां सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

इनका कहना है

पूर्व सरकार के कार्यकाल में मंडावर पंचायत समिति कार्यालय को लेकर केवल औपचारिक घोषणाएं की गई थीं, जबकि वर्तमान भजनलाल सरकार मंडावर शहर में शीघ्र पंचायत समिति कार्यालय को वास्तविक रूप से शुरू करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि यह लंबे समय से लंबित मांग अब जल्द ही धरातल पर साकार होगी।

राजेंद्र मीना क्षेत्रीय महवा विधायक

सावित्री बाई फूले जयंती के उपलक्ष्य में पोष बड़ा व पुष्पांजलि कार्यक्रम का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

दादी चौक स्थित शिव सेवा समिति प्रांगण सीकर में में नेताजी ग्रुप के तत्वावधान में भारत की प्रथम महिला शिक्षिका एवं समाज सुधारक सावित्री बाई फूले की जयंती के अवसर पर पोष बड़ा एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्व समाज की उल्लेखनीय सहभागिता रही।कार्यक्रम का शुभारंभ माता सावित्री बाई फूले के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात उपस्थित गणमान्यजनों एवं श्रद्धालुओं द्वारा उनके सामाजिक योगदान को नमन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सावित्री बाई फुले द्वारा चलाए गए

नारी शिक्षा, सामाजिक समानता, कुरीतियों के विरोध एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए चलाए गए अभियानों पर संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया। वक्ताओं ने उनके संघर्षमय जीवन, शिक्षा के क्षेत्र में किए गए ऐतिहासिक प्रयासों तथा समाज को जागरूक करने में उनकी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला।संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि माता सावित्री बाई फूले का जीवन आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विषम परिस्थितियों में भी शिक्षा की अलख जगाकर महिलाओं और पिछड़े वर्गों को आत्मनिर्भर बनने का मार्ग दिखाया। उनके विचारों को आत्मसात कर समाज में समानता, शिक्षा और सद्भाव को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।कार्यक्रम में केसरी दादी दिनेश केसरी भागीरथ खानदानी नवीन अग्रवाल महेश मिश्रा पीयूष पारीक पार्षद सुरेश सैनी महात्मा ज्योतिबा फुले कॉलेज के सचिव डॉ ओपी सैनी कर्मचारी अधिकारी विकास संस्थान के अध्यक्ष भंवरलाल गार्ड तोलाराम सैनी सैनी समाज संस्था अध्यक्ष राजकुमार दैया ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश सैनी मुकेश ब्लड बैंक कालुराम हर्ष शनि मंदिर के पुजारी रवींद्र भार्गव गणेश जांगिड़ इदरीश चौहान शैलेन्देर शर्मा राकेश सैनी हरिराम सैनी राहुल सैनी सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जन मौजूद थे।

राजनीतिक द्वेषता का आरोप, रावणा व राजपूत समाज ने भाजपा के खिलाफ खोला मोर्चा, पूर्व सरपंच के तीखे तेवर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

पिलानी विधानसभा क्षेत्र में परिसीमन और पंचायत समितियों के पुनर्गठन को लेकर सियासी पारा गरमा गया है। शुक्रवार को ढाणी दरोगा को खुडिया पंचायत से हटाकर चिड़ावा पंचायत समिति में जोड़े जाने के विरोध में रावणा एवं राजपूत समाज ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और मोर्चा खोल दिया। विरोध प्रदर्शन कर रहे समाज के लोगों की मुख्य मांग है कि ढाणी दरोगा को चिड़ावा पंचायत समिति में शामिल करने के बजाय यथास्थिति रखते हुए पिलानी पंचायत समिति में ही रहने दिया जाए। समाज के प्रतिनिधियों का कहना है कि प्रशासन का यह निर्णय स्थानीय लोगों की सुविधा और जनभावना के विपरीत है। कार्यक्रम के दौरान पूर्व सरपंच नीतिराज शेखावत ने पिलानी विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी पर सीधे और गंभीर आरोप लगाए। शेखावत ने कहा कि राजनीतिक द्वेषता के चलते भाजपा प्रत्याशी इस तरह के बदलाव करवा रहे हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि राजपूत समाज भाजपा का मूल वोटर रहा है, लेकिन समाज के साथ इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शेखावत ने एक और चौंकाने वाला दावा करते हुए कहा कि कुछ समय पूर्व खुडिया स्टैंड पर भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेंद्र राठौड़ के खिलाफ जो नारेबाजी हुई थी, वह भी भाजपा प्रत्याशी ने ही करवाई थी। शेखावत ने इस दावे के पीछे ठोस सबूत होने की बात भी कही है। नीतिराज शेखावत ने चेतावनी दी कि ढाणी दरोगा और इस्माइलपुर को पिलानी पंचायत समिति में ही रखने की मांग को लेकर वे जल्द ही भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन सिंह राठौड़ से मुलाकात करेंगे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी देंगे। विरोध प्रदर्शन में रावणा, राजपूत समाज के साथ अन्य वर्गों के लोग भी शामिल रहे। इस दौरान भादरसिंह, भोपाल सिंह, नरेश सिंह, रतन सिंह, अर्जुन सिंह, बनवारी सिंह, संदीप सिंह, महेंद्र सिंह, रवींद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, अजीत सिंह, गौतम सिंह, विजय सिंह, हवासिंह, दलीप सिंह, महेंद्र सिंह रंणवा, विक्रम सिंह, मानसिंह, प्रमोद सिंह, छाजू सिंह, कृष्ण सिंह, कैलाश सिंह रावणा, सुमेर सिंह, महिपाल सिंह, निवास सिंह, रोशन सिंह, मदन सिंह, नरपत सिंह और सुरेश सिंह मौजूद रहे। साथ ही राजेश बारी, बागेरा गुर्जर, सोहन गुर्जर, लालाधर गुर्जर, सत्यवीर धाबाई, पप्पू धाबाई, राजा गुर्जर, सुरेंद्र मेघवाल, राजवीर मेघवाल, नवदीप मेघवाल, रवि शर्मा, विमल शर्मा, अनिल पारीक, राकेश जांगिड, पूर्णमल जांगिड, अनिल लांबा, रघुवीर लांबा और दलीप सिंह सहित अनेक लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराकर इस विरोध को अपना समर्थन दिया।

भीम प्रज्ञा कविता

मिट्टी की पुकार

जब वह आती है,
दीवारें ऊँची हो जाती हैं।
आँखों के दीये बुझ जाते हैं,
और चौखटें पत्थर की हो जाती हैं।

हवा में एक अजीब भार है,
जो कंधों पर नहीं, मन पर टिकता है।
रास्तों पर सन्नाटा नहीं,
एक शोर है, जो चुप रहकर चुभता है।

वह बड़ी होती है–
जैसे कोई जलता हुआ काँच।
देखने वाली आँखें प्यासी हैं,
पर हाथ सिर्फ मुट्ठियाँ जानते हैं।

उसके भीतर एक आकाश है,
जिसे लोग ज़मीन समझकर रौंदते हैं।

वह एक ऐसी भाषा है,
जिसे सब पढ़ते हैं, पर कोई जानता नहीं।

सब भूल जाते हैं–
कि मिट्टी तभी बोलती है,
जब बीज स्त्री के नाम का हो।
उसके बिना,
समय बस एक खाली बर्तन है।

क्षमा राव, मुंबई कवयित्री

अटल स्मृति सम्मेलन में बजरंग स्कूल के छात्रों वंश धीमान और ईशांत धीमान की कला को मिला सम्मान

पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई की आकर्षक पेंटिंग पर मिला सम्मान -स्कूल डायरेक्टर विनय वर्मा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । अटल जन्म शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित अटल स्मृति सम्मेलन में बजरंग मॉडल स्कूल के छात्रों द्वारा बनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की आकर्षक पेंटिंग्स की सभी ने सराहना की।इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र बबली ने छात्रों की प्रतिभा की मुक्तकंठ से प्रशंसा करते हुए उन्हें प्रेरित किया। अटल स्मृति वर्ष छात्र प्रतियोगिता के जिला प्रभारी बलदेव सैनी ने बताया कि जिला में चित्रकला, भाषण, कविता वाचन व रील बनाओ प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। जिसमे जिला के लगभग एक हजार विद्यार्थियों ने भाग लेकर अटल जी के जीवन से संबंधित प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का

प्रदर्शन किया है। बजरंग मॉडल स्कूल के संचालक विनय वर्मा और प्रधानाचार्य अंजू वर्मा ने बताया कि इस सम्मेलन में बजरंग मॉडल स्कूल के छात्रों द्वारा बनाई अटल जी की पेंटिंग की भाजपा परिवार ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। जिसके लिए जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा , पूर्व कैबिनेट मंत्री देवेंद्र बबली व बलदेव सैनी ने छात्रों व स्कूल प्रिंसीपल अंजू वर्मा व विनय वर्मा को बधाई दी।

बिहाली स्कूल का बीईओ ने सात दिवसीय एनएसएस शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में रहें

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बिहाली सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू हो गया है। शिविर का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार शर्मा द्वारा किया गया। इस विशेष शिविर में सामुदायिक सेवा,नेतृत्व विकास और डिजिटल साक्षरता जैसे कार्यों में भाग लेंगे। जिसका लक्ष्य युवाओं में समाज के प्रति जिम्मेदारी और स्वभाव जगाना हैं। इस मौके पर खंड शिक्षा अधिकारी ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों को अवगत कराते हुए अनुशासन एवं राष्ट्रीय प्रेम की भावना के लिए सभी स्वयंसेवकों को प्रेरित किया। वहीं एनएसएस युवाओं के

चरित्र, मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक विकास को बढ़ाता है और भविष्य का एक अच्छा नागरिक बनने में सहायता करता है। इस मौके पर डॉ रघुवीर सिंह ने सात दिवसीय शिविर की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत कर ग्राम पंचायत बिहाली को स्वच्छ बनाए रखने में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों की भूमिका को प्रस्तुत किया। इस मौके पर दीपक कुमार, रोहित कुमार, मोनू, सुबे सिंह प्रधान के अलावा स्टाफ उपस्थित था।

बुडाना में विधायक राजेंद्र भांबू ने नवीन नलकूप का किया लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत बुडाना के रेबारी मोहल्ले में विधायक राजेंद्र भांबू की अनुशंसा पर जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग द्वारा निर्मित नवीन नलकूप का लोकार्पण किया गया। नलकूप के लोकार्पण से क्षेत्र के ग्रामीणों को पेयजल सुविधा में उल्लेखनीय राहत मिलेगी। इस अवसर पर ग्रामवासियों ने विधायक राजेंद्र भांबू का पारंपरिक एवं भव्य स्वागत किया। ग्रामीणों ने उन्हें घोड़ी पर बैठाकर कार्यक्रम स्थल तक पहुंचाया, जिससे उनके प्रति स्नेह, सम्मान एवं विश्वास का भाव प्रकट हुआ।लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए विधायक राजेंद्र भांबू ने कहा कि क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। नवीन नलकूप के निर्माण से रेबारी मोहल्ले में वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या का स्थायी समाधान होगा। कार्यक्रम में पूनम नाथ, जयकरण, महिपाल, सुभाष, मुकेश पातुसरी, सुरेंद्र, रावताराम रेबारी, जठूरी रेबारी, हरफूल जांगिड़, पूर्व सरपंच दिलीप कृष्णिया, किशनाराम खोड़ा, बनवारी जांगिड़, मुकेश शर्मा, हाकम अली पठान, आज़ाद पठान सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीण उपस्थित रहें। ग्रामीणों ने इस जनहितकारी कार्य के लिए विधायक राजेंद्र भांबू का आभार व्यक्त करते हुए क्षेत्र के विकास हेतु उनके निरंतर प्रयासों की सराहना की।

फतेहाबाद जिले के राजकीय महिला कॉलेज, भोडिया खेड़ा में कोई मतदाता ना छूटे थीम पर जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर चौधरी मनीराम गोदारा राजकीय महिला महाविद्यालय, भोडिया खेड़ा में कोई मतदाता ना छूटे की थीम पर जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों व उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. विवेक भारती के आदेशानुसार आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से आई छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर लोकतांत्रिक चेतना और मतदाता जागरूकता का प्रभावी संदेश दिया। महाविद्यालय के

प्राचार्य डॉ. शत्रुजीत सिंह ने कहा कि मतदाता जागरूकता लोकतंत्र की रीढ़ है। उन्होंने छात्राओं से निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को आत्मसात करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिक चेतना विकसित करते हैं। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. ज्योति ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं का उद्देश्य युवाओं विशेषकर छात्राओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया, मतदान के महत्व और जिम्मेदार नागरिक की भूमिका के प्रति संवेदनशील बनाना है। निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने मतदान का अधिकार, युवा सहभागिता और सशक्त लोकतंत्र जैसे विषयों पर अपने विचार रखे। भाषण प्रतियोगिता में ओजपूर्ण वक्तव्यों के माध्यम से मतदाता जागरूकता की आवश्यकता को रेखांकित किया गया, वहीं रंगोली प्रतियोगिता में लोकतंत्र और मतदान के महत्व को रचनात्मक रंगों में उकेरा गया। भाषण प्रतियोगिता में एकता ने प्रथम, जसमीन कौर ने द्वितीय तथा पारुल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में सोनिया पूनिया प्रथम, सिमरन द्वितीय और जसमीन कौर तृतीय रहीं। रंगोली प्रतियोगिता में हिमांशु प्रथम, कुमकुम द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्रतिभागी ने प्राप्त किया। विजेताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सहायक प्रोफेसर सुमित्रा, सतीश चंद्र, डॉ. ममता और गगनदीप कौर आदि मौजूद रहे।

लाडुन्दा में भानाराम लोहमरोड की प्रतिमा का भव्य अनावरण: पूर्व प्रधान कैलाश मेघवाल ने किया अनावरण, उमड़ा जनसैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

निकटवर्ती ग्राम लाडुन्दा में भानाराम लोहमरोड की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने के लिए नवनिर्मित प्रतिमा का भव्य अनावरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम श्रद्धा, सम्मान और गहरी सामाजिक सहभागिता के बीच संपन्न हुआ, जिसमें पिलानी और आसपास के क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया। प्रतिमा स्थल का अनावरण मुख्य अतिथि पूर्व प्रधान कैलाश मेघवाल द्वारा विधिवत रूप से किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महापुरुषों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की प्रतिमाएं आने वाली पीढ़ियों को उनके आदर्शों पर चलने की प्रेरणा देती हैं। भानाराम लोहमरोड का जीवन समाज के लिए समर्पित रहा और यह प्रतिमा उनकी कर्मठता की याद दिलाती रहेगी।

समारोह में क्षेत्र के कई सक्रिय राजनेताओं और समाजसेवियों ने शिरकत की। उपस्थिति दर्ज कराने वालों में निवर्तमान प्रधान प्रतिनिधि संदीप रायला, डॉ. नवीन ठोलिया, कमल दुदवा, सुभाष दूदी, सोमवीर छाब्बा, पवन कुमार कलिया, विजयपाल श्योराण, मनफुल धतरवाल, विजय सिंह शेखावत, मनोज कलिया, देवीलाल कलिया, विजेंद्र श्योराण, सुनील कादयान (पीपली), नवीन डारा (पीपली), संदीप कादयान (पीपली), रामफल छाब्बा और रविंद्र माट शामिल रहे। प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित इस

कार्यक्रम में वक्ताओं ने भानाराम लोहमरोड के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें सादगी और निस्वार्थ समाजसेवा का प्रतीक बताया। ग्रामीणों ने बताया कि भानाराम ने हमेशा गांव के विकास और भाईचारे को प्राथमिकता दी। उनके परिजनों द्वारा उनकी स्मृति में कराए गए इस निर्माण कार्य की पूरे क्षेत्र में सराहना की जा रही है।

कार्यक्रम के अंत में बड़ी संख्या में उपस्थित ग्रामीणों और अतिथियों ने प्रतिमा पर पुष्प चक्र अर्पित कर दिवंगत आत्मा को अपनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का समापन सामूहिक मौन और प्रार्थना के साथ हुआ। परिजनों ने समारोह में पधारे सभी ग्रामीणों और अतिथियों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

अवैध वसूली करने पर कैफे ऑनर और तीन पुलिसकर्मी गिरफ्तार

दोस्त से रुपए ऐंठने के लिए बनाया था प्लान, धमकाकर गाड़ी में घुमाते रहे थे

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । जयपुर में अवैध वसूली के मामले में कैफे ऑनर और तीन पुलिसकर्मियों को गुरुवार रात गिरफ्तार किया गया है। कैफे ऑनर ने अपने दोस्त से पैसे लेने के लिए पुलिसकर्मियों के साथ मिलकर प्लान बनाया था। प्लानिंग के तहत पुलिसवालों ने दोस्त को डरा-धमकाकर उससे रुपए मंगवाए थे। मामले में रुपए लेकर फरार आरोपी की तलाश कर रही है। डीसीपी (साउथ) राजर्षि राज ने बताया-अवैध वसूली मामले में आरोपी पवन कुमार गुर्जर (36) निवासी नदबई भरतपुर हाल रजत पथ मानसरोवर,

बाबूलाल मीणा (40) निवासी श्यामपुरा चंदवाजी, कैलाश चन्द (37) निवासी श्रीमाधोपुर सीकर और अनिल कुमार रागेरा (38) निवासी बानूसर अलवर को अरेस्ट किया गया है। आरोपी पवन कुमार गुर्जर रजत पथ पर कैफे चलाता है। आरोपी बाबूलाल मीणा व अनिल कुमार रागेर मानसरोवर थाने में कॉन्स्टेबल और आरोपी कैलाश चन्द नारायण विहार थान का कॉन्स्टेबल है। अवैध वसूली में भूमिका मिलने पर चारों आरोपियों को गुरुवार रात गिरफ्तार किया गया था। रुपए लेकर भागे इनके साथी की तलाश में पुलिस टीम दबिश दे रही है।

कुन्दनसिंहपुरा में सती माता मेले की धूम, पांचवें विशाल मेला-भंडारे में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नगरपालिका क्षेत्र के माजरीकलां-नीमराना सड़क मार्ग पर स्थित गांव कुन्दनसिंहपुरा के सती माता मंदिर परिसर में शुक्रवार को ग्रामीणों की ओर से पांचवें विशाल मेला एवं भंडारे का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक आस्था और उल्लास से सराबोर इस आयोजन में दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में

शीतल नाथ महाराज (कालीया पहाड़), बाबा खेतानाथ मंदिर जोशीहोड़ा के महंत शंकर नाथ महाराज, सिद्ध सेवा धाम मांढन के महंत अनिल पुरोहित तथा सुमित गिरी (माजरीकलां) मौजूद रहे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक मुंडावर ललित यादव, नीमराना नगर कांग्रेस अध्यक्ष वेद प्रकाश सैनी, समाजसेवी रविंद्र यादव, ओम प्रकाश एवं नित्यानंद ने शिरकत की। सती माता मंदिर में श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक दर्शन कर भंडारे में पंगत प्रसादी ग्रहण की। इसके साथ ही आयोजित रागनी प्रतियोगिता में कलाकारों ने सती माता का गुणगान कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। रागनी कार्यक्रम में गायक कलाकार संजय कसाना, सुभाष चन्द्र दौचाणिया, अंजु चौधरी, मुस्कान बेबी, ऋतु शर्मा (कोसली), मुकेश कुमार सहित अन्य कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। मंच संचालन रामपाल कुमावत ने किया। इस धार्मिक आयोजन में कुन्दनसिंह -पुरा गांव के ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्ति, सेवा और सामाजिक सौहार्द का वातावरण बना रहा, जिससे मेला एवं भंडारा क्षेत्र में धार्मिक आस्था का अनुपम उदाहरण बन गया।

चिड़ावा में स्वदेशी मेला पोस्टर का हुआ विमोचन

17 से 23 जनवरी तक सूरजगढ़ में लगेगा सात दिवसीय स्वदेशी मेला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

स्वदेशी जागरण मंच सूरजगढ़, जिला झुंझुनू द्वारा आयोजित किए जाने वाले स्वदेशी मेले के पोस्टर का विमोचन मंगलवार को पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय चिड़ावा में गरिमामय वातावरण में किया गया। पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में विकास धीधवाल उप पुलिस अधीक्षक चिड़ावा, फूलचंद मीणा अतिरिक्त जिला

पुलिस अधीक्षक (त्वरित अनुसंधान), अम्बिका चौधरी RPS थानाधिकारी सूरजगढ़, अनिल गुप्ता जिला संघचालक चिड़ावा, संदीप जिला सह संघचालक चिड़ावा, डॉक्टर अशोक शर्मा, नरेश सेवा भारती तथा महेन्द्र सैनी जिला मंत्री सेवा भारती ने संयुक्त रूप से पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर मेला प्रमुख विक्रम सिंह, स्वदेशी जागरण मंच विभाग संयोजक बालकृष्ण शर्मा, झुंझुनू विभाग सह संयोजक ब्रह्मदत्त मीणा, प्रमोद कुमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पोस्टर विमोचन के दौरान जानकारी दी गई कि 17 जनवरी से 23 जनवरी 2026 तक नया बस स्टैंड, तहसील के पास, सूरजगढ़ में सात दिवसीय स्वदेशी मेले का आयोजन किया जाएगा। इस मेले का उद्देश्य स्वदेशी एवं स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना तथा आमजन में स्वदेशी भाव का जागरण करना है। मेले में स्वदेशी व स्थानीय उत्पादों की बिक्री एवं प्रदर्शनी के साथ-साथ विविध सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्य आकर्षणों में श्याम बाबा का दरबार, भजन संध्या, भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, भारत माता की आरती, विभिन्न प्रदर्शनियाँ तथा स्वदेशी उत्पादों की आकर्षक स्टॉल शामिल रहेंगी। स्वदेशी मेले का मुख्य आयोजक नगर पालिका सूरजगढ़ रहेगी। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से स्वदेशी मेले में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर स्वदेशी आंदोलन को सशक्त बनाने की अपील की।

जामनगर में एसओजी की बड़ी कार्रवाई : अवैध रूप से रह रहे 5 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

जामनगर (एजेंसी)। जामनगर में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से भारत में रह रहे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं, जो शहर की पटेल कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहे थे। जांच के दौरान इन आरोपियों के पास से पश्चिम बंगाल के आधार कार्ड बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये सभी बिना पासपोर्ट, वीज़ा या भारत सरकार की किसी भी प्रकार की अनुमति के अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर यहां रह रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम शहाबुद्दीन मोहम्मद गौस शेख, महमद आरिफ मुजीबर शेख, जमिला बेगम अनारदी शेख, नजमा बेगम अब्दुलहकीम हाउलदार और मुर्सीदा बेगम महमद आरिफ मुजीबर शेख बताए गए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि ये सभी पटेल कॉलोनी की गली नंबर 11 में एक मकान किराए पर लेकर रह रहे हैं। सूचना के आधार पर एसओजी ने स्वस्तिक मार्बल के सामने स्थित गुलाम मयूदीन अब्दुलकरीम खान गागदाणी के मकान पर छापा मारा, जहां पांचों बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे पाए गए। सभी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसओजी ने आरोपियों के खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही, अवैध नागरिकों को मकान किराए पर देने वाले मकान मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

महिला फांसी पर झूली, दहेज लोभियों पर मामला दर्ज

जबलपुर (एजेंसी)। थाना गढ़ा चौकी मेडिकल कॉलेज से 5 फरवरी 2025 को सूचना मिली कि ग्राम पौड़ी, थाना शहपुरा निवासी 22 वर्षीय एकता पटेल को 4 फरवरी को बेहोशी की हालत में मेडिकल कॉलेज लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और घटनास्थल थाना शहपुरा क्षेत्र में होने के कारण मर्ग डायरी अग्रिम जांच हेतु थाना शहपुरा स्थानांतरित की गई। जांच के दौरान मृतिका के माता-पिता और भाई ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि एकता पटेल की शादी जनवरी 2022 में ग्राम पौड़ी निवासी रोहित पटेल से हुई थी। अगस्त 2024 में रोहित पटेल द्वारा ट्रैक्टर खरीदने के लिए 50 हजार रुपये दहेज के रूप में मांगे गए। इसके अलावा ससुराल पक्ष द्वारा लगातार सोने-चांदी के गहने, आलमारी और सूटकेस की मांग कर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों के अनुसार 4 फरवरी 2025 की दोपहर करीब 2:30 बजे एकता का भाई सिद्धांत पटेल उसके घर पहुंचा। कमरे का दरवाजा खोलने पर एकता घर के अंदर फांसी पर लटकी मिली। सूचना मिलने पर जेठ अभिनव पटेल और निखिल पटेल ने उसे फांसी से उतारकर कार से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी माधुरी पटेल, पति रोहित पटेल, देवर आदर्श पटेल, जेठ अभिनव पटेल और निखिल पटेल के खिलाफ धारा 80(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

छपरा : नर्स अंजलि मौत मामला अभी भी रहस्यमय

पटना (एजेंसी)। बिहार के छपरा जंक्शन के पास रेलवे ट्रैक पर नर्स अंजलि का क्षत-विक्षत शव मिलने का मामला अब भी रहस्यमय बना हुआ है। अंजलि, जो छपरा के निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी, 26 दिसंबर को रहस्यमय तरीके से लापता हो गई थी। उसके शव की खोज 27 दिसंबर को रेलवे ट्रैक पर हुई। परिजन घटना को हत्या मान रहे हैं और उन्होंने डॉक्टर पंकज कुमार, उनके सहयोगी अखिलेश कुमार और फिरोज केशर पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। परिजनों का कहना है कि डॉक्टर और उनके साथी अंजलि का दुष्कर्म करने के बाद शव को ट्रैक पर रखकर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश कर रहे थे। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच में पुलिस को अभी तक ठोस सुराग हाथ नहीं लगा हैं। हत्या है या आत्महत्या, यह सवाल जांच का केंद्र बना हुआ है। मामले की संवेदनशीलता को देखकर रेल आईजी पी. कन्नन ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। हालांकि रेल आईजी ने मीडिया से किसी प्रकार की जानकारी साझा नहीं की। जांच में देरी और अभी तक स्पष्ट परिणाम न मिलने के कारण अंजलि के परिजन काफी परेशान हैं और उनका धैर्य जवाब देने लगा है। इस प्रकरण ने न केवल लोगों को झकझोर कर रख दिया है, बल्कि प्रशासन पर भी दबाव बढ़ा दिया है। अभी तक इस मामले में कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है, और अंजलि की मौत के पीछे का सच परदे के पीछे ही बना हुआ है। जांच के अगले चरण और नए सुरागों पर सभी की नजरें टिकी हैं।

घने कोहरे के कारण लेट चल रही ट्रेन...स्टेशन पर यात्रियों को हो रही परेशानी

चंदौली (एजेंसी)। साल बदल गया लेकिन मौसम का मिजाज अभी भी नहीं नहीं बदला। हम बात कर रहे हैं घने कोहरे और ठंड की। बीते साल दिसंबर के दूसरे सप्ताह से जिस घने कोहरे की शुरुआत हुई थी। वह नए साल में भी बदस्तूर जारी दिख रहा है। इसके साथ ही घने कोहरे के चलते ट्रेनों के लेट चलने का सिलसिला जारी है। दिल्ली हावड़ा रेल रूट के सबसे व्यस्ततम रेलवे स्टेशनों में शुमार पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से होकर गुजरने वाली सियालदह राजधानी, भुवनेश्वर राजधानी, पटना राजधानी और हावड़ा राजधानी सहित पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल जैसी दर्जनों ट्रेनें अपने निर्धारित समय से कई-कई घंटे लेट चल रही हैं। वहीं शीतलहर और ठंड में ट्रेनों के इंतजार में यात्रियों का हाल बेहाल हो रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से गया जा रहे यात्री ने बताया कि उनकी ट्रेन 4 घंटे लेट हो गई है। ठंड और कोहरा बहुत ज्यादा है। इसकारण ट्रेन का इंतजार करना काफी मुश्किलभरा साबित हो रहा है। अरुणाचल प्रदेश के पर्यटक ने बताया कि अगरतला त्रिपुरा सुंदरी ट्रेन से हमें त्रिपुरा जाना है। ट्रेन बहुत ज्यादा लेट हो गई है। वहीं एक यात्री ने बताया कि हमें कोलकाता एक्सप्रेस से गया जाना है लेकिन ट्रेन 5 से 6 घंटे लेट चल रही है।

टायर फटने से पलटा पिकअप वाहन, तीन की मौत, एक घायल

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हासन जिले में गुरुवार को एक पिकअप वाहन का टायर फटने के बाद पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। स्थानीय पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों की पहचान शब्बीर (55), तिम्मन्ना (53) और संजय (45) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल हासन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पत्रकार बाबूलाल सैनी के जीजा के असामयिक निधन पर निज निवास पर आयोजित हुई एक दिवसीय शोक बैठक

बैठक में संवेदना व्यक्त करने पहुंचे जनप्रतिनिधि, व्यापारी,प्रशासनिक अधिकारी व प्रबुद्ध जन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल सैनी के जीजा चुड़ी अजीतगढ़ निवासी फतुराम सैनी के असामयिक निधन पर गुरुवार को ससुराल पक्ष की ओर से पत्रकार सैनी के सिकरीबंद शिवालय के सामने वार्ड 36 लक्ष्मनगढ स्थित निज निवास पर आयोजित एक दिवसीय शोक बैठक में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारिय, व्यापारी व प्रबुद्ध जन शामिल होकर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की । इस अवसर पर पूर्व चेयरमैन दिनेश जोशी, पालिका उपाध्यक्ष बनवारी पांडे, अखिल राज्य ट्रेंड एंड इंडस्ट्रीज एसोसिएशन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु भूत, जिला परिषद सदस्य बनवारी लाल ढाका, पूर्व पार्षद अशोक पारीक, रघुनाथ अस्पताल के महाप्रबंधक रघुवीर पारीक, देवकीनंदन पारीक, पिंजरापोल गौशाला समिति के कोषाध्यक्ष ललित

भूत, सेवानिवृत्त बैंक मैनेजर सज्जन कुमार शर्मा, सेवानिवृत्त गिरदावर कर्ण सिंह सेवानिवृत्त लेखाधिकारी सुरेंद्र इंदौरिया, राजेंद्र पाराशर, उपकोषाधिकारी सज्जन कुमार सैनी, सहायक लेखाधिकारी प्रथम झाबरमल माली, शिक्षाविद रामनिवास शर्मा, अशोक राव, छोटूराम कस्वां, संजय जोशी,राजेश बियाणी, सुरेंद्र मोदी, योगगुरु विमल पारीक, रामचंद्र नारनोलिया, विश्वनाथ सूंठवाल, अश्वनी पारीक, प्रवीण नारोलिया, गणेश चौहान, अशोक पारीक, अनिल सैनी, नथमल चुनवाल, राजेश पारीक, व्यवसायी ऋषि जाजोदिया, कमल तोदी, धनप्रकाश मोदी, ईश्वर सोनी, रामगोपाल मंडार, नरेश मंडार, लक्ष्मीकांत टेलर, सीताराम टेलर, श्यामसुंदर टेलर, दीनदयाल मोदी, हंसकुमार भरतिया, विनोद टांक, सुबोध शर्मा, सुभाष चोटिया, सूर्य प्रकाश महर्षि, गोमाराम, राजेंद्र कुमार शर्मा ,महनोहर सोनी, विमल सोनी, इदरीस पठान, कैलाश सैन, महेश तमोली, विनोद पारीक, राजकुमार पारीक, किशोर सिंगोदिया, एडवोकेट सत्यनारायण सैनी, जयप्रकाश सैनी, पत्रकार शशिकांत पुजारी, प्रभाष नारनोलिया,पवन शर्मा निर्मल, लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के प्रभारी राजेंद्र प्रसाद शर्मा, रमेश छिछासवाले, महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान सीकर के उपाध्यक्ष रामगोपाल राकसिया, सीकर नगर निगम के पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि मंगलचंद सैनी, गणपत सैनी नागरमल सैनी, रमेश सैनी, राहुल समर्थपुरा, सीकर सैनी समाज के अध्यक्ष राजकुमार दैया, लक्ष्मनगढ सैनी समाज के रामगोपाल चुनवाल, पूर्व अध्यक्ष विनोद सिंगोदिया, बनवारी पापटाण, भगवान दत्त भैरिया,पूर्णमल राकसिया, फुलचंद राकसिया, डॉ अरुण राकसिया, शंकरलाल राकसिया, शंकरलाल सिंगोदिया, सत्यनारायण जाजम, लालचंद जाजम, राधेश्याम जाजम, रिछपाल जाजम, सीताराम सांखला दिवना जाटान, गिरधारी बबेरवाल, विनोद मिटावा, शंकर गौड़, प्रमोद गौड़,सुभाष बबेरवाल,शुभकरण चुनवाल, शिवकुमार सिंगोदिया,पूर्व पालिकाध्यक्ष महावीर प्रसाद सैनी, पूर्व पार्षद राकेश गौड़,बादल राकसिया, महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्षमनगढ के संरक्षक अनिल बागड़ी, महामंत्री महेंद्र कुमार माली, प्रवक्ता मनोज राकसिया, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नथमल मावलियों की ढाणी,विनोद कुमार सेठों की कोठी, मंत्री मनोज धाभाईयों की ढाणी, नरेंद्र कुमार बठोठ,महावीर जाजम,विनोद गौड़, श्याम सुन्दर गौड़, गोपाल गौड़,मखन गौड़, मुकेश टाक , लालचंद टांक, बुधकरण भैरिया, रामनाथ टाक,रतनलाल फतेहपुर के ओमप्रकाश कम्मा,बनवारी दैया मंडावा के ओमप्रकाश इंदौरिया, कन्हैयालाल बालाण,ढांढण के रतनलाल मिटावा सहित बड़ी संख्या में प्रबुद्ध जनों ने पत्रकार सैनी के निज निवास पहुंच कर अपनी संवेदना व्यक्त की व परिजनों को सांत्वना दी।

सावित्रीबाई फुले: महिला शिक्षा और सामाजिक क्रांति की प्रथम मशाल

भीम प्रज्ञा विशेष दिवस।

माता सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी, 1831 को महाराष्ट्र के नायगांव में हुआ। इनके पिता का नाम खन्दोजी नैवेसे तथा माता का नाम लक्ष्मीबाई था। सावित्रीबाई फुले का विवाह ज्योतिबा फुले से हुआ, जिन्होंने उन्हें पढ़ने

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया

लिखने के लिए प्रेरित किया। अपने पति ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर 1848 में पुणे में पहला बालिका विद्यालय खोला और वह भारत की पहली महिला प्रिंसिपल बनी। सावित्रीबाई फुले और ज्योतिबा फुले ने गरीब अछूत समाज की लड़कियों के लिए एक के बाद एक 18 विद्यालय शुरू किये, जो महिला आंदोलन

शिक्षक क्रांतिकारी में मील का पत्थर साबित हुई। इस आंदोलन में फातिमा शेख ने भी फुले दंपति का पूरा सहयोग दिया। भारत में लड़कियों और वंचित वर्गों के लिए शिक्षा के द्वार खोले, छुआछूत मिटाने और विधवा पुनर्विवाह को बढ़ावा देने का काम किया और 1873 में 'सत्य शोध समाज' की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसका उद्देश्य सामाजिक समानता लाना था। वह मराठी की आदिकवयित्री थी। उनकी रचनाएं 'काव्य फूले' और 'बावन काशी सुबोध रत्नाकर' गरीबों और महिलाओं की आवाज बनी।

सावित्रीबाई फुले भारत की पहली महिला शिक्षिका, समाज सुधारक और कवयित्री थी, जिन्होंने अपने पति ज्योतिबा फुले के साथ मिलकर भारत के पहले बालिका विद्यालय की स्थापना की और स्त्री शिक्षा व सामाजिक समानता के लिए अपना जीवन समर्पित किया। जिसके दौरान उन्हें विरोध, कीचड़ और गोबर का सामना करना पड़ा। पर वे अडिग रही और विधवा पुनर्विवाह, बाल विवाह के प्रति शिक्षित व उन्मूलन करने, सती प्रथा के खिलाफ प्रचार करने व छुआछूत जैसी कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाई। सामाजिक समानता और विधवा विवाह जैसे मुद्दों पर काम किया और एक कवयित्री के रूप में भी मराठी साहित्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ज्योतिबा फुले की मृत्यु 1890 में हुई।तब सावित्रीबाई फूले ने उनके अधूरे कार्यों को पूरा करने का संकल्प किया। सावित्रीबाई फुले भारत में महिला सशक्तिकरण की प्रतीक बनी और प्लेग पीड़ितों की सेवा करते हुए 10 मार्च, 1897 में उनका निधन हो गया। उनका पूरा जीवन समाज के दलित व शोषित तबके की महिलाओं और दलितों के लिए संघर्ष में व्यतीत किया।

समाधान शिविर का उद्देश्य आमजन की शिकायतों का प्राथमिकता से निदान: मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री ने वीसी के माध्यम से उपायुक्तों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि समाधान शिविर का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों की शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण करना है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को लंबित न रखा जाए और समाधान की अपडेट रिपोर्ट समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर समयबद्ध तरीके से अपलोड करना सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के सभी जिला उपायुक्तों से समाधान शिविर की समीक्षा बैठक ले रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायतों के समाधान में गंभीरता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि नागरिकों को बिना अनावश्यक देरी के राहत मिल सकें। वीडियो कॉन्फ्रेंस समीक्षा बैठक के बाद उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए दिशा-निर्देशों की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए। डॉ. विवेक भारती ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाले नागरिकों की संतुष्टि और उनकी समस्या का स्थायी समाधान सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि कोई भी विभागीय अधिकारी शिकायत को लंबित न रखें, शिकायतों की गहन जांच कर समाधान किया जाए और सही व स्पष्ट विवरण समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर दर्ज किया जाए, जिससे शिकायतें बार-बार री-ओपन न हों। उपायुक्त ने कहा कि समाधान शिविर में शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही ना करे।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार, नागरिकों की सुविधा के लिए सप्ताह में दो दिन सोमवार और वीरवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जिला मुख्यालय फतेहाबाद, उपमंडल टोहाना और रतिया में समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों का एक ही स्थान और एक ही समय पर समाधान किया जा रहा है। डॉ. भारती ने कहा कि समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की हर शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा उच्चस्तरीय समीक्षा की जाती है, जिसमें पोर्टल पर अपलोड रिपोर्ट, समाधान की गुणवत्ता और समय-सीमा की नियमित मॉनिटरिंग की जाती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं भी शिकायतों की निरंतर निगरानी कर रहे हैं और समय-समय पर समीक्षा बैठकें आयोजित कर दिशा-निर्देश जारी करते हैं। वीसी में एसपी सिद्धांत जैन, एडीसी अनुराग ढालिया, एसडीएम राजेश कुमार, जिला परिषद सीईओ सुरेश कुमार, नगराधीश गौरव गुप्ता, एसई एसएस राय, जिला राजस्व अधिकारी श्याम लाल, डीडीपीओ अनूप सिंह सहित विभागों के अधिकारी मौजूद रहें।

जन्मभूमि में जनसेवा का उत्सव: सोहली में राव चिरंजी लाल धर्मशाला का होगा भव्य उद्घाटन 14 जनवरी को

पैतृक गांव सोहली में ऐतिहासिक आयोजन, राव इंद्रजीत सिंह करेंगे धर्मशाला का उद्घाटन

सेवा, संस्कार और सम्मान का संगम: सोहली में राव बहादुर सिंह का भव्य सामाजिक आयोजन

जननी-जन्मभूमि का मान बढ़ाने वाला आयोजन, बुहाना क्षेत्र में उत्साह का माहौल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

बुहाना उपखंड के पैतृक गांव सोहली में आगामी 14 तारीख को एक ऐतिहासिक और भव्य सामाजिक आयोजन होने जा रहा है, जिसे लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह और गर्व का वातावरण बना हुआ है। यह आयोजन सेवा, संस्कार, शिक्षा और सामाजिक एकता का प्रतीक बनेगा। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण राव चिरंजी लाल नवनिर्मित धर्मशाला का उद्घाटन होगा, जिसका उद्घाटन केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह द्वारा किया जाएगा। यह आयोजन क्षेत्र के जाने-माने समाजसेवी एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह(नांगल चौधरी, हरियाणा) के नेतृत्व और प्रेरणा से आयोजित किया जा रहा है। राव बहादुर सिंह का बुहाना क्षेत्र और विशेषकर अपने पैतृक गांव सोहली से रिश्ता वर्षों पुराना, आत्मीय और भावनात्मक रहा है। सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से उन्होंने क्षेत्र के विकास में निरंतर योगदान दिया है।

सेवा और समर्पण का प्रतीक रहा है सामाजिक जीवन

राव बहादुर सिंह का सामाजिक जीवन सेवा और समर्पण की मिसाल माना जाता है। वर्ष 1988 में उन्होंने अपने पैतृक गांव सोहली में एक धर्मशाला का निर्माण करवाया था, जिसका शिलान्यास हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री राव वीरेंद्र सिंह के कर-कमलों द्वारा किया गया था। अब उसी सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए राव चिरंजी लाल के नाम से नवनिर्मित धर्मशाला का निर्माण कराया गया है, जो क्षेत्रवासियों के लिए एक स्थायी सामाजिक सौगात सिद्ध होगी। यह धर्मशाला भविष्य में सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक, पारिवारिक एवं सामुदायिक आयोजनों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी और ग्रामीण क्षेत्र में सामाजिक गतिविधियों का एक सशक्त केंद्र बनेगी।

महापुरुषों के विचारों से समाज को जोड़ने का प्रयास

राव बहादुर सिंह द्वारा महेंद्रगढ़ में राव तुलाराम चौक का निर्माण कर वहां महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित कराना समाज में गौरव

और प्रेरणा की भावना को मजबूत करने वाला कदम रहा है। इसके साथ ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कर सामाजिक समरसता, समानता और सम्मान का संदेश भी दिया गया। उनका मानना है कि महापुरुषों के विचारों से नई पीढ़ी को जोड़ना ही सशक्त समाज की मजबूत नींव है।

यादव महासभा और शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान

सामाजिक संगठन को मजबूत करने की दिशा में राव बहादुर सिंह ने वर्ष 2002 में यादव महासभा महेंद्रगढ़ की स्थापना की। इस संस्था के माध्यम से समाज को संगठित करने, शिक्षा को बढ़ावा देने और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाने का कार्य किया गया, जो आज भी निरंतर जारी है।जानकारी के लिए बता दें कि राव बहादुर सिंह हरियाणा के नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र से पूर्व विधायक रह चुके हैं। इसके साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है। हरियाणा प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर यदुवंशी ग्रुप की शैक्षणिक संस्थाएं संचालित की जा रही हैं, जिनके माध्यम से हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है।

गांव-गांव जाकर बुजुर्गों का आशीर्वाद, बेटियों का होगा सम्मान

कार्यक्रम को लेकर राव बहादुर सिंह स्वयं अपनी टीम के साथ बुहाना उपखंड के अनेक गांवों में पहुंचकर ग्रामीण चौपालों पर बुजुर्गों का सम्मान कर रहे हैं और उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का स्नेहपूर्ण निमंत्रण दे रहे हैं। उनका कहना है कि यह आयोजन उनकी जन्मस्थली और पैतृक भूमि पर हो रहा है, इसलिए बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना उनके लिए सबसे बड़ा सौभाग्य है। उन्होंने बताया कि वे वर्षों से इस प्रकार के सामाजिक आयोजन करते आ रहे हैं, लेकिन इस बार अपने पैतृक गांव में कार्यक्रम होने से उन्हें विशेष खुशी और गर्व की अनुभूति हो रही है। कार्यक्रम के दौरान मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर गांव की बेटियों को सम्मानित किया जाएगा तथा आयोजन में आने वाले सभी लोगों के लिए भोजन की समुचित व्यवस्था भी की गई है।

क्षेत्र के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा आयोजन

आयोजकों के अनुसार यह कार्यक्रम केवल एक उद्घाटन समारोह नहीं होगा, बल्कि सेवा, शिक्षा, संस्कार और सामाजिक एकता का सशक्त संदेश देने वाला आयोजन बनेगा। राव बहादुर सिंह द्वारा किए गए कार्य आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं और यह आयोजन आने वाली पीढ़ियों को जनसेवा और सामाजिक समरसता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देगा।

गांव-गांव में बुजुर्गों को कंबल वितरण, कार्यक्रम का दिया स्नेहपूर्ण न्यौता

आगामी कार्यक्रम को लेकर राव बहादुर सिंह ने स्वयं क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न गांवों में पहुंचकर बुजुर्गों को कंबल वितरित कर सम्मानित किया तथा सभी को पैतृक गांव सोहली में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने का स्नेहपूर्ण न्यौता दिया। जनसंपर्क अभियान में चुड़ीना, श्योपुरा, कांकड़ा, ढाणी भालोठ, भालोठ, निहालोठ, मेघपुर, पाथरौली, सांतौर, बामनवास, देवलावास, ढाणा, रसूलपुर अहीरान, शिवसिंहपुरा, सहड़ का बास, इन्द्रसर, भिर्र, पचेरी कलां, पचेरी खुर्द, नावता, नावता की ढाणी, गुति, पथाना, निहालोठ की ढाणी, रायपुर अहीरान एवं ढाणी रायपुर में पहुंचे। इस अवसर पर राव बहादुर सिंह ने कहा कि बुजुर्ग समाज की अमूल्य धरोहर हैं और उनका आशीर्वाद ही किसी भी सामाजिक कार्य की सबसे बड़ी शक्ति होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम में आने वाले ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए आवागमन की संपूर्ण वाहन व्यवस्था वे स्वयं अपने निजी खर्च से करेंगे, ताकि किसी को भी कार्यक्रम में पहुंचने में कोई असुविधा न हो। राव बहादुर सिंह ने बताया कि वे वर्षों से इसी परंपरा के तहत गांव-गांव जाकर बुजुर्गों से आशीर्वाद लेते आ रहे हैं और इस बार अपने पैतृक गांव में कार्यक्रम होने के कारण यह पहल उनके लिए और भी भावनात्मक है। ग्रामीणों ने इस घोषणा का स्वागत करते हुए इसे सेवा, सम्मान और अपनत्व का प्रतीक बताया तथा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होने का भरोसा जताया।

भारत का बंगलादेश दौरा रीशेड्यूल, बीसीबी ने नई तारीखों का किया ऐलान

ढाका (एजेंसी)। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को घोषणा की कि वे अगस्त-सितंबर 2026 में तीन मैचों की वनडे सीरीज और उतने ही टी20 के लिए भारत की मेजबानी करेंगे। बीसीबी क्रिकेट ऑपरेशन के इंचार्ज शहरयार नफीस ने बताया, 'बांग्लादेश और भारत के बीच जो सीरीज पहले स्थगित कर दी गई थी, उसे रीशेड्यूल कर दिया गया है।' भारतीय टीम अब 28 अगस्त को आने वाली है जिसमें वनडे मैच 1, 3 और 6 सितंबर को खेले जाएंगे। टी20 मैच 9, 12 और 13 सितंबर को खेले जाएंगे जिसके बाद पड़ोसी देश वापस घर लौट जाएंगे।

बीसीबी ने शुक्रवार को 2026 सीजन के लिए बांग्लादेश के घरेलू अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम की घोषणा की, जिसमें कैलेंडर में तीनों फॉर्मेट में पाकिस्तान, न्यूजीलैंड, भारत, ऑस्ट्रेलिया और वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज शामिल हैं। बीसीबी ने एक बयान में कहा, 'पुष्टि किया गया कार्यक्रम बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से भरे सीजन को सुनिश्चित करता है, जिससे देश भर के समर्थकों को घर पर टॉप-लेवल क्रिकेट देखने का अवसर मिलेगा, जबकि मैच स्थलों का विवरण उचित समय पर घोषित किया जाएगा।' पाकिस्तान 9 मार्च को तीन वनडे दौरे के लिए बांग्लादेश पहुंचेगा, जो 12 से 16 मार्च के बीच खेला जाएगा।

अप्रैल-मई में न्यूजीलैंड का बांग्लादेश का व्हाइट-बॉल दौरा तीन वनडे के साथ 17 अप्रैल से शुरू होगा, और उतने ही टी20, जो 27 अप्रैल से शुरू होकर 2 मई को समाप्त होंगे। पाकिस्तान दो टेस्ट के लिए वापस आएगा जो आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप सीरीज़ का हिस्सा हैं। पहला रेड-बॉल मैच 8-12 मई तक और दूसरा 16-20 मई तक खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया का बांग्लादेश का व्हाइट-बॉल दौरा 5 जून को तीन वनडे के साथ शुरू होगा, जिसके बाद तीन मैचों की टी20 सीरीज 15-20 जून के बीच खेली जाएगी।

भारत की मेजबानी करने के बाद, बांग्लादेश वेस्ट इंडीज के खिलाफ़ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगा जो चैम्पियनशिप का भी हिस्सा है। टेस्ट से पहले 22-24 अक्टूबर तक तीन दिन का वार्म-अप मैच होगा। पहला टेस्ट 28 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच खेला जाएगा, जबकि दूसरा 5 से 9 नवंबर तक खेला जाएगा। श्रीलंका ए टीम भी मई 2026 में बांग्लादेश का दौरा करेगी, जिसमें मेजबान टीम के खिलाफ दो चार-दिवसीय मैच और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन में वापसी करके नया रिकॉर्ड बनाएगी 7 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स

मेलबर्न (एजेंसी)। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स 5 साल में पहली बार इस वर्ष ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेगी और इस तरह से इस टूर्नामेंट में भाग लेने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। उन्हें 18 जनवरी से शुरू होने वाले वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है।

टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को घोषणा की कि 45 वर्षीय वीनस उस मेलबर्न पार्क में वापसी करने के लिए तैयार है जहां उन्होंने 28 साल पहले पहली बार हिस्सा लिया था। उन्होंने 1998 में दूसरे दौर में अपनी छोटी बहन सेरेना को हराया था, लेकिन क्वार्टर फाइनल में हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी लिंडसे डेवनपोर्ट से हार गई थीं। वीनस ने नवंबर में घोषणा की थी कि वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन से 2 सप्ताह पहले न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेलेंगी, जहां उन्हें वाइल्ड कार्ड मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन के आयोजकों के अनुसार वीनस ने होबार्ट में होने वाले एक अन्य टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए भी पंजीकरण कराया है। वीनस ने इससे पहले आखिरी बार 2021 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हिस्सा लिया था। वह यहां दो बार महिला एकल में उप-विजेता रह चुकी हैं। वह 2003 और 2017 में फाइनल में सेरेना से हार गई थीं। वीनस ने कहा, 'मैं ऑस्ट्रेलिया में खेलने को लेकर बहुत उत्सुक हूं। वहां मेरी कई अविश्वसनीय यादें जुड़ी हैं। मुझे बहुत खुशी है कि मैं फिर से उस जगह लौट रही हूं जिसका मेरे करियर में बहुत महत्व रहा है।' इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेकर वीनस इस टूर्नामेंट में खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएगी। वह जापान की किमिको दाते के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी, जो 2015 में मेलबर्न पार्क में पहले दौर में हारने के समय 44 वर्ष की थीं।

ऑफ स्पिन गेंदबाजी, विकेटकीपिंग और छठे नंबर पर बल्लेबाजी : बुमराह ने कॉलेज के दिनों को किया याद

मुंबई (महाराष्ट्र) (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कॉलेज में खेले गए एक मैच को याद किया, जहां उन्होंने उस भूमिका से बिल्कुल अलग भूमिका निभाई जिसके लिए वह मशहूर हैं यानी स्विंगिंग तेज गेंदबाजी। बुमराह ने कहा कि उन्होंने 'ऑफ स्पिन गेंदबाजी की, विकेटकीपिंग की और छठे नंबर पर बल्लेबाजी भी की'।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) ट्रेनिंग सेशन के दौरान विकेटकीपिंग ग्लव्स पहने हुए बुमराह का वीडियो मुंबई इंडियंस (MI) फ्रेंचाइजी ने पोस्ट किया था। उस वीडियो में बुमराह अपने हाथों में विकेटकीपिंग ग्लव्स पहने हुए मस्ती करते दिख रहे हैं, जिनके हाथों में आमतौर पर एक चमकदार क्रिकेट गेंद होती है जो चौंकाने के लिए तैयार रहती है।

बुमराह ने कहा, 'कॉलेज के एक मैच में अपनी यूनिवर्सिटी के लिए, एक ऐसा मैच था जिसमें मैंने ऑफ स्पिन गेंदबाजी की, विकेटकीपिंग की और स्टंपिंग भी की और छठे नंबर पर बल्लेबाजी भी की। मैंने सब कुछ किया!' बुमराह ने 2025 में 21 मैचों में 21.77 की औसत और 3.44 की इकॉनमी रेट से 45 विकेट लिए जिसमें 25 पारियों में तीन बार 5 विकेट लेने का कमाल शामिल है, ये सभी टेस्ट मैचों में आए और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5/27 रहा।

उन्होंने टीम इंडिया के साथ एशिया कप भी जीता और IPL 2025 में MI के साथ प्लेऑफ में पहुंचे, जहां उन्होंने 12 मैचों में 17.55 की औसत से 18 विकेट लिए। इसमें एक बार 5 विकेट भी शामिल था, जो प्रतियोगिता में सातवां सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड था। जैसे ही बुमराह अपना साल 2026 शुरू करेंगे, उनका लक्ष्य आठवें भारतीय गेंदबाज और चौथे भारतीय तेज गेंदबाज के रूप में 500 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे करना होगा। वह इस मुकाम से 14 विकेट दूर हैं। उन्होंने 224 मैचों में 20.60 की औसत से 486 विकेट लिए हैं जिसमें उनके नाम 18 बार 5 विकेट लेने का कीर्तिमान और 6/19 का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल नहीं करने को लेकर सरकार से कोई निर्देश नहीं मिला : बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिज़ुर रहमान को कोलकाता नाइट रायडर्स (केकेआर) में शामिल किये जाने को लेकर हो रहे विरोध के बीच ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि उसे सरकार से बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल नहीं करने को लेकर कोई निर्देश नहीं मिले हैं। बीबीसीसी के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं की जा सकती है। पिछले महीने हुई आईपीएल नीलामी में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिज़ुर को केकेआर ने 9.20 रुपये में खरीदा था।उसके बाद से कई लोगों ने केकेआर के इस फैसले को गलत बताया है। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं की खबरों के बाद कई लोगों का मानना है कि आईपीएल से बांग्लादेशी खिलाड़ियों को बाहर कर दिया जाना चाहिये।

आध्यात्मिक गुरु देवकीनंदन ठाकुर सहित कई अन्य ने मुस्तफिज़ुर को शामिल करने पर केकेआर के सह-मालिक शाहरुख खान की कड़ी आलोचना की है और कहा था कि वहां हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा को देखते हुए किसी बांग्लादेशी खिलाड़ी को शामिल कैसे किया जा सकता है। मुस्तफिज़ुर ने सला 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल में डेब्यू किया था। इस गेंदबाज ने अब तक 60 आईपीएल मैचों में 8.13 की इकॉनमी रेट से 65 विकेट लिए हैं। वह पिछले सत्र में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज जेक फ्रेजर-मैकगर्क के चोटिल होने पर उनकी जगह दिल्ली कैपिटल्स में वापस आ गये थे।

सातवीं बार डकार रैली में भाग लेंगे भारतीय राइडर हरिथ नोआ

यानबू (सऊदी अरब) । भारत के अग्रणी रैली रेड राइडर हरिथ नोआ शनिवार से यहां शुरू होने वाली विश्व की सबसे मुश्किल मोटरस्पोर्ट प्रतियोगिता डकार रैली में लगातार सातवीं बार हिस्सा लेंगे। केरल का यह 32 वर्षीय राइडर तीन से 17 जनवरी तक होने वाली डकार रैली में भारत का प्रतिनिधित्व करेगा। यह प्रतियोगिता छठी बार सऊदी अरब में आयोजित की जा रही है। डकार रैली में राइडर इस बार लगभग 8,000 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। इसमें लगभग 4,800 किलोमीटर में राइडर रेत के टीलों, पथरीले इलाकों और दुर्गम पठारों से होकर गुजरेंगे। इस दौरान केवल एक बार 10 जनवरी को राइडर को विश्राम करने का मौका मिलेगा। पांच बार के भारतीय राष्ट्रीय सुपरक्रॉस चैंपियन नोआ ने 2020 में डकार रैली में पदार्पण किया था। तब यह रैली पहली बार सऊदी अरब में आयोजित की गई थी।

प्रशंसकों को पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों से बेहतर प्रदर्शन की रहेगी उम्मीद

मुम्बई । भारतीय पुरुष ओर महिला क्रिकेट टीमों को इस बार कई अहम मुकाबले खेलने हैं। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद रहेगी की दोनो ही टीमें इनमें जीत दर्ज करेंगी। भारतीय क्रिकेट के लिए बीता साल टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं रहा था। वहीं इस साल प्रशंसकों को टीम से इस लंबे प्रारुप में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। इसके अलावा प्रशंसकों को उम्मीद रहेंगी कि भारतीय टीम अपनी ही धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप में जीत दर्ज कर खिताब बरकरार रखे। टी20 विश्वकप 7 फरवरी से 8 मार्च तक भारत और श्रीलंका की में खेला जाएगा। पुरुष क्रिकेट में अब तक कोई भी टीम टी20 विश्वककप का खिताब बरकारार नहीं कर पाई है। अब देखना होग कि इस बार टीम इसे बरकरार रख पाती है या नहीं। वहीं भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नजरें भी एकदिवसीय विश्वकप के बाद टी20 विश्वकप जीतने पर रहेंगी। 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड की मेजबानी में होने वाला महिता टी20 विश्व कप 2026 जीतकर भारतीय टीम खेल में अपना दबदबा बनाना चाहेगी। वहीं भारतीय टीम अगस्त में श्रीलंका और नवंबर में न्यूजीलैंड में होने वाली टेस्ट सीरीज जीतना चाहेगी। भारतीय टीम अभी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) 2025-27 की अंकतालिका में छठे स्थान पर है। ऐसे में अगर उसे फाइनल की दौड़ में बने रहना है, तो इन दोनों टेस्ट सीरीज में बड़ी जीत हासिल करनी होग। इसके अलावा जापान में 19 सितंबर से 4 अक्तूबर तक आयोजित होने वाले एशियाई खेलों में भी भारतीय पुरुष और महिला टीम जीत हासिल करना चाहेंगी। भारत की पुरुष और महिला टीमों ने 2023 में यहां दोनो वर्गो में खिताब जीते थे।

मारिन एक बार फिर भारतीय महिला हॉकी टीम के कोच बने

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया ने नीदरलैंड के सोर्ड मारिन को दूसरी बार भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच बनाया है। मारिन के मार्गदर्शन में ही भारतीय महिला टीम टोक्यो ओलंपिक खेलों में चौथे स्थान पर रही थी। मारिन साल 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम के कोच थे। वहीं अर्जेंटीना के विला मटियास विला को विश्लेषणात्मक कोच बनाया गया है। पूर्व मिडफील्ड विला ने साल 2000 में सिडनी ओलंपिक और 2004 में एथेंस ओलंपिक में भाग लिया था। वह करीब 20 साल से कोचिंग करते आ रहे हैं। इसके अलावा वेन लोम्बार्ड को खेल प्रदर्शन प्रमुख के रूप में रखा गया है जबकि वैज्ञानिक सलाहकार रोडेट इला और सियारा इला अपने पद पर बने रहेंगे। वहीं मारिन ने का कि उन्हें भारतीय टीम के साथ आने से खुशी हुई है। मैं साढ़े चार साल बाद नयी ऊर्जा और रवैये के साथ इस पद पर लौटा हूं ताकि टीम को आगे बढ़ाने में अहम र्ण योगदान दे सकूं और खिलाड़ियों को विश्व स्तर पर अपनी पूरी क्षमता से प्रदर्शन करने में सहाता कर सकूं। गौरतलब है कि मारिन के पिछले कार्यकाल के दौरान भारतीय टीम विश्व रैंकिंग के शीर्ष 10 में पहुंची थी। अब मारिन की पहली परीक्षा आठ से 14 मार्च तक हैदराबाद में होने वाले महिला विश्व कप क्वालीफायर टूर्नामेंट में होगी। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'हम मारिन और पूरे सहायक स्टाफ का भारतीय हॉकी परिवार में स्वागत करते हैं। हमें उम्मीद है कि उनके मार्गदर्शन में टीम निरंतर सफलता हासिल करेगी।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ख्वाजा ने खेल से संन्यास की घोषणा की

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी है। ख्वाजा ने 15 साल के लंबे करियर के बाद खेल को अलविदा कहा है। ख्वाजा एशेज सीरीज में अंतिम बार सिडनी टेस्ट में उतरेंगे। ख्वाजा इस प्रकार साल 2026 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले पहले खिलाड़ी हैं। ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से साल 2011 में अपना डेब्यू किया था।इसके बाद से वह टीम के लिए तीनों प्रारुपों में खेले पर टेस्ट क्रिकेट में वह सबसे ज्यादा सफल रहे हैं। कई स्टार खिलाड़ियों वाली टीम में उन्होंने अपनी अलग ही जगह बनायी है।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से ख्वाजा ने अब तक कुल 87 टेस्ट, 40 एकदिवसीय और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 43.39 के औसत से 6206 रन बनाए हैं। टेस्ट प्रारुप में उन्होंने 16 शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सबसे अधिक स्कोर 232 रनों का रहा है। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उन्होंने 1554 रन बनाए। ख्वाजा ने अपने करियर में 2 शतक और 12 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं टी20 में उनके 241 रन हैं। ख्वाजा ने घरेलू बिग बैश लीग में भी खेलते हुए 70 मैचों में 2132 रन बनाए। इसके अलावा आईपीएल, वैटालिटी ब्लास्ट, पाकिस्तान सुपर लीग और आईपीएल में भी उन्होंने खेला है।

विदेश में कैंसर से जूझ रहे भारत के पूर्व कोच, इलाज के लिए बेटी ने लगाई मदद की गुहार

स्पोर्ट्स डेस्क । माइकल नोब्स, जो ऑस्ट्रेलिया के पूर्व हॉकी खिलाड़ी हैं, संन्यास के बाद भारतीय हॉकी टीम के कोच भी बने थे। वे पिछले करीब पांच सालों से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे हैं। माइकल को फेफड़ों का कैंसर है, जो अब उनकी हड्डियों तक फैल चुका है। बीमारी के साथ-साथ उन्हें आर्थिक परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनका इलाज कराना मुश्किल हो गया है। क्राउडफंडिंग पोर्टल पर दी गई जानकारी के अनुसार, माइकल नोब्स के इलाज के लिए एमीवेंटामैब नाम की एक विशेष दवा की जरूरत है, जो काफी महंगी है। केवल छह महीने के इलाज में करीब 64 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का खर्च आता है। इसी कारण उनके परिवार को लोगों से आर्थिक मदद मांगनी पड़ी। माइकल की दो बेटियां हैं, कैटलिन नोब्स और जैमी नोब्स। कैटलिन खुद एक हॉकी खिलाड़ी हैं। दोनों बहनों ने 31 अगस्त 2025 को अपने पिता के इलाज के लिए एक क्राउडफंडिंग पोर्टल के जरिए मदद की अपील की। इस अभियान से करीब 75 हजार ऑस्ट्रेलियाई डॉलर जुटाए गए, लेकिन इसके बावजूद इलाज पूरी तरह सुचारु रूप से नहीं चल पा रहा है। कैटलिन नोब्स ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनके पिता फिलहाल सिडनी में रहते हैं, जबकि वे खुद पर्थ में हैं। दोनों शहरों के बीच करीब पांच घंटे की फ्लाइट दूरी है, जिससे दूर रहकर मदद करना और भी मुश्किल हो जाता है। पिता की सेहत को लेकर बात करते हुए कैटलिन ने कहा कि इलाज चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन माइकल नोब्स में अब भी जीने की मजबूत इच्छाशक्ति है। उन्होंने बताया कि उनके पिता को उन्हें हॉकी खेलते देखना बहुत अच्छा लगता है और इससे उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। कैटलिन ने कहा कि हॉकी से ज्यादा उनके बीच पिता-बेटी का रिश्ता अहम रहा है और चाहे वह अच्छा खेलें या बुरा, उनके पिता हमेशा उनके सबसे बड़े समर्थक रहे हैं।

बिहार के प्रतिभाशाली बैडमिंटन खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा : साइना

पटना (एजेंसी)। अनुभवी बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल आजकल बिहार दौरे पर हैं। इस दौरान साइना ने कहा कि राज्य में काफी खेल प्रतिभाएं हैं पर उन्हें निखारने की जरुरत है। ओलंपिक पदक विजेता साइना ने कहा कि की बेहतर प्रशिक्षण से यहां से भी अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेगे। साइना ने कहा कि राज्य में जरुरी संसाधन मौजूद हैं और सही मार्गदर्शन से यहां के खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं। साइना ने यहां पाटलिपुत्र खेल परिसर में कहा कि बिहार के प्रतिभावान बैडमिंटन खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने बिहार में खेलों के विकास, विशेषकर बैडमिंटन की संभावनाओं पर भी अपने बातें रखीं। साइना ने कहा कि बिहार खेल के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन के जरिए पहले ही वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है। साइना ने कहा, 'मैंने अपनी पहली राष्ट्रीय चैंपियनशिप पटना में ही जीती थी इसलिए बिहार से मेरा गहरा भावनात्मक जुड़ाव है।' साइना ने कहा कि वह बिहार के खिलाड़ियों के विकास के लिए वह हर संभव सहयोग देने को तैयार हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार की सकारात्मक खेल नीति, खेल विभाग और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के कुशल मार्गदर्शन से आने वाले समय में राज्य से अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी निकलेंगे।

कार्लसन और गोर्याचकिना बने विश्व रैपिड चैंपियन, भारत के अर्जुन और हम्पी को कांस्य पदक

दोहा, क़तर (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैगनस कार्लसन ने शानदार वापसी करते हुए फीडे विश्व रैपिड चैंपियनशिप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। कार्लसन ने 13 में से 10.5 अंक हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से पूरे एक अंक की बढ़त के साथ छठी बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता। इससे पहले वे 2014, 2015, 2019, 2022 और 2023 में भी विश्व रैपिड चैंपियन रह चुके हैं।

टूर्नामेंट के दूसरे दिन खराब शुरुआत के बाद कार्लसन ने अंतिम दिन जबरदस्त खेल दिखाया। उन्होंने लगातार तीन जीत दर्ज कीं और अंतिम राउंड में श्वेत मोहरों से अनीश गिरि के खिलाफ ड्रॉ खेलकर खिताब पक्का कर लिया।

खिताब जीतने के बाद कार्लसन ने कहा, 'यह बहुत बड़ा और मजबूत टूर्नामेंट था। मैं यहां हमेशा पहले स्थान के लिए खेलता हूं, जबकि कई खिलाड़ी अच्छे इनाम या पदक के बारे में सोचते हैं। यही मुझे मनोवैज्ञानिक बढ़त देता है।'

विश्व रैपिड में दूसरा स्थान चार खिलाड़ियों ने 9.5 अंकों के साथ साझा किया पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर रूस के आर्टेमिएव ब्लादिलसाव को रजत पदक मिला, जबकि भारत के अर्जुन एरिगैसी ने कांस्य पदक जीतकर आनंद के बाद विश्व रैपिड में पदक हासिल करने का कारनामा किया । हंस नीमन महज़ 0.5 बुख़होल्ज़ अंक से पदक से चूक गए।

महिला वर्ग में गोर्याचकिना का पहला वर्ल्ड रैपिड खिताब

महिला वर्ल्ड रैपिड में रोमांच चरम पर रहा। अंतिम दौर से पहले चीन की जु जिनर और मौजूदा चैंपियन कोनेरु हम्पी तीनों 8 अंकों के साथ शीर्ष पर थीं। अंतिम राउंड में झू और गोर्याचकिना ने ड्रॉ खेला, जबकि हम्पी कोनेरू जीत की स्थिति में होने के बावजूद समय की कमी में सविता श्री के खिलाफ चूक गईं और बाज़ी ड्रॉ रही।

नियमों के अनुसार टाईब्रेक के बाद शीर्ष दो खिलाड़ियों–गोर्याचकिना और झू–के बीच ब्लिट्ज़ प्लेऑफ खेला गया। गोर्याचकिना ने पहला ब्लिट्ज़ मुकाबला जीतकर और दूसरा ड्रॉ कर महिला वर्ल्ड रैपिड चैंपियन का खिताब हासिल किया। यह उनके करियर का पहला वर्ल्ड रैपिड खिताब है। झू जीनर को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि हम्पी कोनेरू ने कांस्य पदक जीता।

संतोष ट्राफी 21 जनवरी से होगी शुरु, 12 टीमों के बीच होगा मुकाबला

नई दिल्ली । 79वीं राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप संतोष ट्राफी 2025-26 असम के ढकुआखाना और सिलापाथर देश भर की 12 फुटबॉल टीमों के बीच 21 जनवरी से 8 फरवरी तक खेली जाएगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने इस महीने शुरु होने वाली संतोष ट्राफी के फाइनल ड्रा की घोषणा की है। इस चैंपियनशिप में शामिल 12 टीमों को ए और बी ग्रुप में बांटा गया है। ए ग्रुप में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तराखंड, नागालैंड और राजस्थान है। जबकि ग्रुप बी में केरल, सर्विसेज, पंजाब, ओडिशा, रेलवे और मेघालय है। टूर्नामेंट के सभी मुकाबले ढकुआखाना और सिलापाथर में खेले जाएंगे। इस चैपियनशिप की शुरुआत 1941 में हुई थी और पश्चिम बंगाल ने संतोष ट्रॉफी का रिकॉर्ड 32 बार खिताब जीता है।

नए साल पर 'किंग' को लेकर शाहरुख खान देंगे बड़ा तोहफा!

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी आगामी फिल्म 'किंग' की तैयारियों में लगे हुए हैं। 'किंग' को साल 2026 में रिलीज होने वाली सबसे बड़ी फिल्मों में से एक माना जा रहा है। हालांकि, अभी तक फिल्म की रिलीज डेट सामने नहीं आई है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि फिल्म 2026 में रिलीज हो सकती है। इस बीच अब शाहरुख खान को रिकॉर्डिंग स्टूडियो जाते देखा गया। जिसके बाद फैंस में 'किंग' को लेकर एक बार फिर उत्साह बढ़ गया है। फैंस ऐसी उम्मीद जता रहे हैं कि नए साल पर 'किंग' को लेकर कोई सरप्राइज मिल सकता है।

'किंग' पर काम कर रहे शाहरुख

वायरल हुई तस्वीरों और वीडियोज में शाहरुख को फिटेड सफेद टी-शर्ट और कार्गो पैंट पहने, सिर पर बीनी टोपी लगाए देखा गया। स्टूडियो में अंदर जाते समय उन्होंने सनग्लासेस पहने हुए थे। हालांकि, अभिनेता क्या रिकॉर्ड कर रहे थे, इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन उनके स्टूडियो में आने के समय को देखते हुए प्रशंसकों का मानना है कि वो अपनी आगामी फिल्म 'किंग' के पोस्ट-प्रोडक्शन क्लिप पर काम कर रहे होंगे। हालांकि, इस दौरान सुरक्षाकर्मियों ने शाहरुख को पैपराजी से बचान का प्रयास किया और उनके सामने छाता लगाया। लेकिन शाहरुख की झलक कैमरे में कैद हो गई। अब फैंस को उम्मीद है कि नए साल पर उन्हें शाहरुख की तरफ से 'किंग' से जुड़ा कोई सरप्राइज मिल सकता है।

शाहरुख के बर्थडे पर सामने आया था फर्स्ट् लुक

पिछले महीने शाहरुख खान के जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'किंग' से शाहरुख के लुक की झलक दिखाई थी। इस फर्स्ट् लुक में शाहरुख एक्शन अवतार में काफी डैशिंग लग रहे थे। इसके सामने आने के बाद फैंस फिल्म को लेकर और भी उत्साहित हैं। हालांकि, इसके बाद से किंग को लेकर मेकर्स की ओर से कोई अपडेट नहीं आया है। अब फैंस ऐसी उम्मीद लगा रहे हैं कि अगली बड़ी घोषणा नए साल के दिन हो सकती है।

सिद्धार्थ ने भी दिया था हिंट

शाहरुख खान को स्टूडियो में देखे जाने से एक दिन पहले फिल्म के निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने एक शेर के मोहरे की तस्वीर साझा की थी, जिसके सिर पर मुकुट था। अब शाहरुख को रिकॉर्डिंग स्टूडियो में देखकर फैंस ऐसी अटकलें लगा रहे हैं कि मेकर्स मोशन पोस्टर के साथ फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर सकते हैं।

अब मैं एक साथ 2 से 3 फिल्में नहीं करना चाहती

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ने 14 अप्रैल 2022 को मुंबई में अपने घर वास्तु में एक अंतरंग समारोह में शादी की थी। इसके बाद 6 नवंबर 2022 को आलिया ने राहा को जन्म दिया। बेटी के जन्म के बाद से ही आलिया भट्ट ने अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर कुछ बदलाव किए हैं, जिनके बारे में आलिया ने खुलकर बात की।

राहा के जन्म के बाद आलिया ने किए कई बदलाव

हाल ही में ईटाइम्स को दिए इंटरव्यू में आलिया भट्ट ने बताया कि 2022 में बेटी राहा के जन्म के बाद उन्होंने काम की रफ्तार धीमी कर दी, लेकिन फिल्मों से उनका प्यार वैसा ही है। आलिया ने कहा कि मां बनने से उनके काम करने का तरीका बदल गया है। उन्होंने बताया, अब मेरे काम की मात्रा और स्पीड अलग है क्योंकि मेरी एक बेटी है। लेकिन यह रफ्तार आरामदायक है और मैं इससे खुश हूं। मुझे एक समय में एक फिल्म करना और उसमें पूरी एनर्जी लगाना अच्छा लगता है। पहले मैं एक साथ दो-तीन फिल्में करती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं करना चाहती।

अल्फा को लेकर आलिया की राय

मां बनने के बाद एक्शन फिल्म अल्फा की शूटिंग के बारे में आलिया ने कहा, बच्चे के जन्म के बाद एक्शन करना बहुत मजेदार था। इससे मुझे पता चला कि मेरा शरीर क्या कर सकता है। यह एक सीख देने वाला अनुभव था और इसने मुझे अपने शरीर का बहुत सम्मान करना सिखाया।

आलिया का वर्कफ्रंट

आलिया के पास दो बड़ी फिल्में हैं। शिव रावैल की अल्फा में वे एक्शन से भरी भूमिका में नजर आएंगी। यह वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की फिल्म है, जिसमें शरवरी और बॉबी देओल भी हैं। फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इसके अलावा, संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर में आलिया दिखेंगी। इसमें रणबीर कपूर और विक्की कौशल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म भी 2026 में आएगी।

हिंदी में इस वजह से बात नहीं करते मिराय स्टार तेजा सज्जा

फिल्म हनु मान और मिराय में बेहतरीन अदाकारी करने को लेकर साउथ के स्टार तेजा सज्जा सुर्खियों में हैं। यह माना जाता है कि साउथ के कलाकारों को हिंदी डायलॉग बोलते समय उनके एक्सेंट को लेकर ऑनलाइन मजाक उड़ाया जाता है। ऐसे में तेजा सज्जा ने हिंदी बोलने पर और बॉलीवुड में काम करने को लेकर अपने विचार रखे हैं। उन्होंने कहा मैं इंग्लिश में बात कर रहा हूं, क्योंकि मेरी हिंदी में हैदराबादी स्लैंग आ जाता है। अगर हिंदी बोलेंगे तो ट्रोलिंग का शिकार हो जाएंगे, इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा नहीं मैं ट्रोलिंग को सीरियसली नहीं लेता। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। बातचीत के दौरान उन्होंने बॉलीवुड में काम करने के बारे में भी बात की। उन्होंने मजाकिया अंदाज में फिल्म निर्माता करण जौहर के लिए एक संदेश दिया। उन्होंने हंसते हुए कहा जब भी आप करण सर से मिलें, उनसे पूछिएगा कि वह तेजा को एक धर्मा प्रोडक्शन की लव स्टोरी में कब कास्ट कर रहे हैं। मैं भी वो अनुभव लेना चाहूंगा।

मैं नहीं चाहती कि हॉलीवुड प्रोजेक्ट की वजह से करियर खतरे में पड़ जाए

अभिनेत्री त्रिधा चौधरी हाल ही में फिल्म 'किस किस को प्यार करूं-2' में नजर आई थीं। अभिनेत्री ने हाल ही में बातचीत की। इस दौरान उन्होंने अपनी जिंदगी और करियर के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि वह अलग-अलग फिल्म को बहुत सोच समझकर चुनती हैं। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि हॉलीवुड से एक अच्छा ऑफर मिला था, लेकिन बोल्ड सीन्स करने से उन्हें बाकी जगह से ऑफर ठुकरा दिए जाते। अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे अच्छी तरह से पता था कि ऐसे सीन करने से मेरा भविष्य प्रभावित हो सकता है। खासकर बॉलीवुड और अन्य भारतीय इंडस्ट्री में मौके कम हो जाते हैं। अभिनेत्री ने समझाया कि बोल्ड सीन करने से उन्हें एक खास तरह की इमेज मिल जाती है। इससे कई अच्छे प्रोजेक्ट्स हाथ से निकल सकते थे। वे नहीं चाहती थीं कि एक प्रोजेक्ट की वजह से उनका लंबे समय का करियर खतरे में पड़ जाए। उन्होंने कहा, 'अगर मैं हॉलीवुड में एक ऐसा प्रोजेक्ट करती, जिसमें बोल्ड सीन्स होते, तो इससे मेरे कई अन्य प्रोजेक्ट्स रुक जाते हैं। मुझे यह पहले से पता था। यही वजह थी कि मैंने पहले से हॉलीवुड में कदम रख लिया है, तो अलग तरीके से आगे बढ़ सकती हूं, लेकिन सिर्फ एक प्रोजेक्ट के लिए बॉलीवुड या कहीं और का अपना लंबा सफर जोखिम में नहीं डालूंगी।' त्रिधा हाल ही में कपिल शर्मा की फिल्म किस किस को प्यार करूं-2 में नजर आई थी। फिल्म में कपिल और त्रिधा के अलावा, आयशा खान, पारुल गुलाटी और हीरा वरीना मुख्य भूमिका में नजर आए थे। अखिलेंद्र मिश्रा कपिल शर्मा के पिता के रोल में हैं। उन्होंने फिल्म के सबसे मजेदार पल दिए हैं। वहीं, फिल्म को वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट और अब्बास-मस्तान ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें हंसी, मस्ती, दोस्ती और खुशियों से भरे पल शामिल हैं।

तारा सुतारिया के खिलाफ चलाया गया नेगेटिव कैंपेन? अभिनेत्री ने लगाया जबरदस्ती नाम जोड़ने का आरोप

बॉलीवुड और डिजिटल दुनिया में इन दिनों पेड पीआर और ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर बहस तेज हो गई है। इस बहस के केंद्र में आ गई हैं अभिनेत्री तारा सुतारिया, जिन्होंने खुलकर आरोप लगाया है कि उनके खिलाफ एक सोची-समझी नेगेटिव पीआर मुहिम चलाई जा रही है। तारा का कहना है कि उनकी छवि और निजी रिश्तों को नुकसान पहुंचाने के लिए संगठित तरीके से कंटेंट तैयार करवाया गया और सोशल मीडिया पर फैलाया गया।

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने किया दावा

पूरा मामला तब सामने आया जब एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ने दावा किया कि उसे तारा सुतारिया और मशहूर सिंगर एपी ढिल्लों के खिलाफ वीडियो बनाने के लिए पैसे ऑफर किए गए थे। इस वीडियो को तारा ने खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा किया और साफ शब्दों में कहा कि यह सब एक पेड कैंपेन का हिस्सा है, जिसका मकसद उनके करियर और पर्सनल लाइफ को नुकसान पहुंचाना है।

तारा ने इशारों-इशारों में उन लोगों पर निशाना साधा, जो पर्दे के पीछे रहकर ऐसी साजिशें रचते हैं। उन्होंने कहा कि कंटेंट क्रिएटर्स और मीम पेजों को पहले से तय शब्द, कैप्शन और बातें भेजी गईं ताकि हर जगह एक जैसी नकारात्मक बातें फैलाई जा सकें। उनका यह भी कहना था कि यह कोई सामान्य आलोचना नहीं, बल्कि पूरी तरह प्लान की गई बदनाम करने की कोशिश है।

बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया ने किया समर्थन

इस पूरे विवाद में तारा को वीर का साथ मिला है। उनके बॉयफ्रेंड वीर पहाड़िया ने सार्वजनिक तौर पर समर्थन जताते हुए कहा कि वह हर हाल में तारा के साथ खड़े हैं। वहीं, एपी ढिल्लों ने भी हल्के-फुल्के अंदाज में प्रतिक्रिया देकर यह संकेत दिया कि वह इन आरोपों को गंभीरता से नहीं ले रहे, लेकिन मामला जितना दिखता है, उससे कहीं ज्यादा गहरा है। जिस इंफ्लुएंसर ने यह खुलासा किया, उसका कहना है कि कई अकाउंट्स पर एक जैसे कमेंट्स और आरोप नजर आ रहे थे। इससे साफ होता है कि यह सब अचानक नहीं, बल्कि रणनीति के तहत किया गया। इंफ्लुएंसर ने दावा किया कि इस मुहिम को बाहर से देखने पर ऐसा दिखाया गया जैसे निशाना एपी ढिल्लों हों, लेकिन असल में सबसे ज्यादा नुकसान तारा सुतारिया को पहुंचाने की कोशिश की गई।

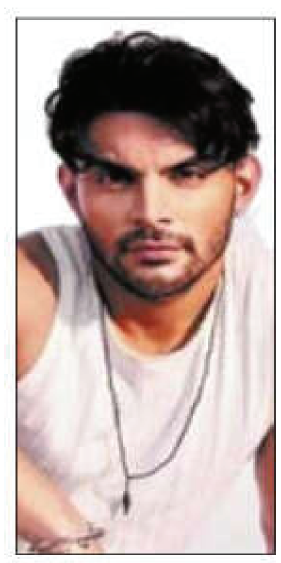

अकेली हूं पर कोई बेचैनी नहीं

चित्रांगदा सिंह ने साल 2005 में हजारों ख्वाहिशें ऐसी से फिल्मों में डेब्यू किया। अपने करियर की शुरुआत से ही जोधपुर में पैदा हुईं इस हसीना ने इंडस्ट्री में अपने अभिनय का सिक्का जमाया। अर्थपूर्ण भूमिकाओं को तरजीह दी। ये साली जिंदगी, इनकार, साहब बीवी गैंगस्टर 3 जैसी फिल्मों में उनके काम की खूब सराहना हुई। लेकिन उनके करियर का सबसे मुश्किल दौर वो था, जब सात साल के अंतराल के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कमबैक किया। इस साल 2025 में वह बैक टू बैक खाकी - द बंगाल चैप्टर, हाउसफुल 5 और हालिया रिलीज रात अकेली है - द बंसल मर्डर्स से चर्चा में हैं। इसके अलावा चित्रांगदा नए साल में सलमान खान के साथ बैटल ऑफ गलवान में नजर आने वाली हैं।

बतौर एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह 2026 को उम्मीदों से देख रही हैं। खास बातचीत में उन्होंने क्वालिटी ओवर क्वांटिटी, सोशल मीडिया वैलिडेशन, सिंगल पैरेंटिंग से लेकर इंडस्ट्री में महिलाओं के ऊपर रहने वाले दबाव पर भी खुलकर बात की है।

आपका करियर कभी भी पारंपरिक नहीं रहा, तो क्या आपने जानबूझकर क्वालिटी ओवर क्वांटिटी चुना?

किसी भी कलाकार के जीवन में किस्मत का बहुत बड़ा हाथ होता है। उसे किस तरह के रोल मिलेंगे, वो उसके बस में नहीं होता। कई बार काम आपको चुनता है, आप उसे नहीं। मुझसे सुधीर (फिल्मकार सुधीर मिश्रा) हमेशा कहते हैं कि किसी भी किरदार के जो ग्रे एरिया हैं, उन्हें तुम बखूबी जस्टिफाई कर पाती हो। यही वजह है कि तुम चरित्र की कमियों को बहुत ही मजबूती से निभा पाती हो। मेरे कहने का मतलब ये है कि मेकर्स ने मुझमें वो बात देखी और मुझे उसी तरह के रोल दिए। कई बार मेरे पास ऐसा काम आया है, जो मुझे सूट नहीं हुआ और मैंने मना कर दिया, आपका अपना व्यक्तित्व भी होता है, जिसमें आप खुद को पूरी तरह से बदल कर कोई दूसरा नहीं बन सकते।

फिल्म इंडस्ट्री में उम्र को लेकर महिलाओं पर ज्यादा दबाव क्यों रहता है?

वो कहावत है न कि महिलाएं अपनी ब्यूटी और पुरुष अपने स्कार्स के लिए जाने जाते हैं। फिर ये उम्र वाली समस्या आज की नहीं है, सदियों पुरानी है। मगर आज उसमें भी बदलाव आया है। आज आप एक यंग 18 साल की लड़की के रोल के लिए एक पर्टिकुलर ऐज ग्रुप वाली लड़की को ही चुन पाएंगे, मगर यदि आपको कोई मैच्योर कहानी लिखनी हो तो उसमें आपको मैच्योर एक्ट्रेस की जरूरत पड़ेगी। मगर अब वो बदलाव भी आ रहा है, क्योंकि अब दर्शक मैच्योर कहानियों और परफॉर्मेंस देखने के इच्छुक हैं, तो अब अभिनेत्रियों के लिए उम्र से परे सशक्त रोल लिखे जा रहे हैं, मगर उम्र का दबाव अभिनेत्रियों पर हमेशा से रहा है और ये हमारे समाज की ही देन है।

आपने पर्दे पर हमेशा ही महिलाओं को मुखर करने वाले किरदार निभाए हैं, आपको अपने आस-पास महिलाओं से जुड़ी सबसे ज्यादा कौन-सी बात सताती है?

सच कहूं, तो मुझे लगता है कि आज महिलाओं को समानता के अधिकार मिल रहे हैं। जेंडर बायस भी लोग अब उतने नजर नहीं आते, तो आज हमें इस बदलाव की सराहना करनी चाहिए। इसकी आलोचना नहीं करनी चाहिए। इंडस्ट्री में ये बदलाव काफी बड़े पैमाने पर देखने को मिलता है, मगर हां कुछ एक बार मैंने ये देखा है कि लड़कियों को कोई काम इसलिए नहीं दिया जाता कि वो लड़कियां हैं। मुझे लगता है कि उसका एक कारण ये भी है कि औरतों को उस तरह की जिम्मेदारी दी ही नहीं गई है। उनको जितने मौके मिलेंगे, वो खुद को साबित करती जाएंगी। अब जैसे जब मैं प्रोड्यूसर बनी, तो लोगों का कहना था कि लो अब इनको प्रोड्यूसर बनना है। वे मुझे इस काबिल ही नहीं समझ रहे थे। मुझे बहुत बुरा लगा, मगर मैंने जब इस विषय पर सोचा तो मुझे लगा कि वाकई इंडस्ट्री में एक?ट्रेस से प्रोड्यूसर बनी महिलाएं गिनती की हैं, तो उनका सवाल भी जायज है कि ये निर्माण के क्षेत्र को संभाल पाएंगी या नहीं।

सोशल मीडिया वैलिडेशन आपके लिए कितना मायने रखता है?

मैं सोशल मीडिया की बहुत ज्यादा दीवानी नहीं हूं। मगर इतना जरूर कहना चाहूंगी कि आज सोशल मीडिया की जरूरत तो है। मेरे लिए सोशल मीडिया वैलिडेशन जरूरी नहीं है। मैं उसे रेस्पॉन्स तक ही सीमित रखती हूं। मैं सोशल मीडिया की प्रतिक्रियाओं पर नजर रखती हूं, मगर मेरी जिंदगी सोशल मीडिया पर ही निर्भर नहीं है। अब तो वो उत्साह भी खत्म हो गया है, जो पहले हुआ करता था कि कुछ पोस्ट करना है। अब ये मेरे काम का हिस्सा बन चुका है।

जामनगर में एसओजी की बड़ी कार्रवाई : अवैध रूप से रह रहे 5 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

जामनगर (एजेंसी)। जामनगर में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से भारत में रह रहे पांच बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों में दो पुरुष और तीन महिलाएं शामिल हैं, जो शहर की पटेल कॉलोनी में किराए के मकान में रह रहे थे। जांच के दौरान इन आरोपियों के पास से पश्चिम बंगाल के आधार कार्ड बरामद हुए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि ये सभी बिना पासपोर्ट, वीज़ा या भारत सरकार की किसी भी प्रकार की अनुमति के अवैध रूप से भारत में प्रवेश कर यहां रह रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम शहाबुद्दीन मोहम्मद गौस शेख, महमद आरिफ मुजीबर शेख, जमिला बेगम अनारदी शेख, नजमा बेगम अब्दुलहकीम हाउलदार और मुर्सीदा बेगम महमद आरिफ मुजीबर शेख बताए गए हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि ये सभी पटेल कॉलोनी की गली नंबर 11 में एक मकान किराए पर लेकर रह रहे हैं। सूचना के आधार पर एसओजी ने स्वस्तिक मार्बल के सामने स्थित गुलाम मयूदीन अब्दुलकरीम खान गागदाणी के मकान पर छापा मारा, जहां पांचों बांग्लादेशी नागरिक अवैध रूप से रह रहे पाए गए। सभी को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। एसओजी ने आरोपियों के खिलाफ पासपोर्ट अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही, अवैध नागरिकों को मकान किराए पर देने वाले मकान मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

महिला फांसी पर झूली, दहेज लोभियों पर मामला दर्ज

जबलपुर (एजेंसी)। थाना गढ़ा चौकी मेडिकल कॉलेज से 5 फरवरी 2025 को सूचना मिली कि ग्राम पौड़ी, थाना शहपुरा निवासी 22 वर्षीय एकता पटेल को 4 फरवरी को बेहोशी की हालत में मेडिकल कॉलेज लाया गया था, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक कार्रवाई के तहत पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और घटनास्थल थाना शहपुरा क्षेत्र में होने के कारण मर्ग डायरी अग्रिम जांच हेतु थाना शहपुरा स्थानांतरित की गई। जांच के दौरान मृतिका के माता-पिता और भाई ने पुलिस को दिए बयानों में बताया कि एकता पटेल की शादी जनवरी 2022 में ग्राम पौड़ी निवासी रोहित पटेल से हुई थी। अगस्त 2024 में रोहित पटेल द्वारा ट्रैक्टर खरीदने के लिए 50 हजार रुपये दहेज के रूप में मांगे गए। इसके अलावा ससुराल पक्ष द्वारा लगातार सोने-चांदी के गहने, आलमारी और सूटकेस की मांग कर मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। परिजनों के अनुसार 4 फरवरी 2025 की दोपहर करीब 2:30 बजे एकता का भाई सिद्धांत पटेल उसके घर पहुंचा। कमरे का दरवाजा खोलने पर एकता घर के अंदर फांसी पर लटकी मिली। सूचना मिलने पर जेठ अभिनव पटेल और निखिल पटेल ने उसे फांसी से उतारकर कार से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी माधुरी पटेल, पति रोहित पटेल, देवर आदर्श पटेल, जेठ अभिनव पटेल और निखिल पटेल के खिलाफ धारा 80(2) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

छपरा : नर्स अंजलि मौत मामला अभी भी रहस्यमय

पटना (एजेंसी)। बिहार के छपरा जंक्शन के पास रेलवे ट्रैक पर नर्स अंजलि का क्षत-विक्षत शव मिलने का मामला अब भी रहस्यमय बना हुआ है। अंजलि, जो छपरा के निजी अस्पताल में नर्स के रूप में कार्यरत थी, 26 दिसंबर को रहस्यमय तरीके से लापता हो गई थी। उसके शव की खोज 27 दिसंबर को रेलवे ट्रैक पर हुई। परिजन घटना को हत्या मान रहे हैं और उन्होंने डॉक्टर पंकज कुमार, उनके सहयोगी अखिलेश कुमार और फिरोज केशर पर गंभीर आरोप लगा दिए हैं। परिजनों का कहना है कि डॉक्टर और उनके साथी अंजलि का दुष्कर्म करने के बाद शव को ट्रैक पर रखकर दुर्घटना का रूप देने की कोशिश कर रहे थे। इस हाई-प्रोफाइल मामले की जांच में पुलिस को अभी तक ठोस सुराग हाथ नहीं लगा हैं। हत्या है या आत्महत्या, यह सवाल जांच का केंद्र बना हुआ है। मामले की संवेदनशीलता को देखकर रेल आईजी पी. कन्नन ने उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। हालांकि रेल आईजी ने मीडिया से किसी प्रकार की जानकारी साझा नहीं की। जांच में देरी और अभी तक स्पष्ट परिणाम न मिलने के कारण अंजलि के परिजन काफी परेशान हैं और उनका धैर्य जवाब देने लगा है। इस प्रकरण ने न केवल लोगों को झकझोर कर रख दिया है, बल्कि प्रशासन पर भी दबाव बढ़ा दिया है। अभी तक इस मामले में कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है, और अंजलि की मौत के पीछे का सच परदे के पीछे ही बना हुआ है। जांच के अगले चरण और नए सुरागों पर सभी की नजरें टिकी हैं।

घने कोहरे के कारण लेट चल रही ट्रेन...स्टेशन पर यात्रियों को हो रही परेशानी

चंदौली (एजेंसी)। साल बदल गया लेकिन मौसम का मिजाज अभी भी नहीं नहीं बदला। हम बात कर रहे हैं घने कोहरे और ठंड की। बीते साल दिसंबर के दूसरे सप्ताह से जिस घने कोहरे की शुरुआत हुई थी। वह नए साल में भी बदस्तूर जारी दिख रहा है। इसके साथ ही घने कोहरे के चलते ट्रेनों के लेट चलने का सिलसिला जारी है। दिल्ली हावड़ा रेल रूट के सबसे व्यस्ततम रेलवे स्टेशनों में शुमार पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से होकर गुजरने वाली सियालदह राजधानी, भुवनेश्वर राजधानी, पटना राजधानी और हावड़ा राजधानी सहित पुरुषोत्तम एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस, पूर्वा एक्सप्रेस, दुरंतो एक्सप्रेस और ब्रह्मपुत्र मेल जैसी दर्जनों ट्रेनें अपने निर्धारित समय से कई-कई घंटे लेट चल रही हैं। वहीं शीतलहर और ठंड में ट्रेनों के इंतजार में यात्रियों का हाल बेहाल हो रहा है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन से गया जा रहे यात्री ने बताया कि उनकी ट्रेन 4 घंटे लेट हो गई है। ठंड और कोहरा बहुत ज्यादा है। इसकारण ट्रेन का इंतजार करना काफी मुश्किलभरा साबित हो रहा है। अरुणाचल प्रदेश के पर्यटक ने बताया कि अगरतला त्रिपुरा सुंदरी ट्रेन से हमें त्रिपुरा जाना है। ट्रेन बहुत ज्यादा लेट हो गई है। वहीं एक यात्री ने बताया कि हमें कोलकाता एक्सप्रेस से गया जाना है लेकिन ट्रेन 5 से 6 घंटे लेट चल रही है।

टायर फटने से पलटा पिकअप वाहन, तीन की मौत, एक घायल

बैंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के हासन जिले में गुरुवार को एक पिकअप वाहन का टायर फटने के बाद पलट जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। स्थानीय पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतकों की पहचान शब्बीर (55), तिम्मन्ना (53) और संजय (45) के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि हादसे में घायल हासन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बांग्लादेश में रह रहे हिन्दुओं को अपनी नहीं भारत सरकार से उम्मीद... वे अपनी नीति बदले

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों का जिस तरह से अमानवीय तरीके से उत्पीड़न किया जा रहा है, उसके लिए भी वहां रहने वाले हिंदुओं को भारत की नीति पर ही उम्मीद अटकी हुई है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक नेताओं का दावा है कि वहां रहने वाले अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं की जान भी भारत की नीतियों पर निर्भर है। स्थिति ऐसी हो चुकी है कि इस साल बंगाल और असम में जो विधानसभा चुनाव होने हैं, उस लेकर भी वे सहमे हुए हैं और उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि भारत में हो रहे इन चुनावों का खामियाजा कहीं उन्हें न भुगतना पड़े। इसकारण वे बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार पर अपनी सुरक्षा के लिए दबाव बनाने के बजाए, भारत की बांग्लादेश नीति में परिवर्तन की गुहार लगा रहे हैं।

एक रिपोर्ट में बांग्लादेश माइनॉरिटी जनता पार्टी के अध्यक्ष ने बताया कि वहां बच गए अल्पसंख्यकों को अब अपनी सरकार से कोई उम्मीद नहीं है। उन्हें लगता है कि बांग्लादेश में उनके सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि भारत की विदेश नीति बदल जाए, ताकि कट्टरपंथी मुसलमान उनके प्रति रहम दिखाना शुरू कर दें।

बांग्लादेश माइनॉरिटी जनता पार्टी के अध्यक्ष सुकृति कुमार मंडल ने आरोप लगाया है कि अवामी लीग की जिस शेख हसीना सरकार को पिछले साल मजहबी हुड़दंगियों की हिंसक भीड़ ने सत्ता से बेदखल किया, उसके कार्यकाल में हिंदुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा था। उन्होंने कहा है कि वहां हिंदुओं के जीवित बचे रहने के लिए अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व अति आवश्यक हो चुका है, लेकिन बांग्लादेश में स्थिरता हो इसके लिए भारत की बांग्लादेश नीति में बदलाव की भी जरूरत पड़ेगी।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र मंडल के मुताबिक बांग्लादेश के ज्यादातर लोग, चाहे वे किसी भी राजनीतिक दल से जुड़े हों, वे भारत के साथ अच्छा संबंध चाहते हैं और इस बात में भी कोई दो राय नहीं है कि इस क्षेत्र में भारत की भूमिका को कभी भी कमतर करके नहीं देखा जा सकता है। लेकिन, इसके साथ ही उनका दावा है कि भारत का अवामी लीग के अंध समर्थन ने भारत-विरोधी भावनाएं विकसित की हैं, जिससे जमीन पर भारत-विरोधी तत्वों को मदद मिल गई है।

उन्होंने कहा, हालांकि हमारा देश अभी उथल-पुथल की दौर से गुजर रहा है और यहां कोई औपचारिक सरकार भी नहीं है, यहां के हिंदुओं को लिए यह इसलिए भी और भयानक समय है क्योंकि पड़ोसी भारत के पश्चिम बंगाल और असम में चुनाव हैं। यह हमारे लिए यातनाओं का मौसम है। उन्होंने कहा, अगर भारत की मौजूदा सरकार भारत में चुनावों के लिए बांग्लादेशी हिंदुओं की दुर्दशा का राजनीतिक फायदा उठाने के लिए इस्तेमाल करना चाहती है, तब हम कुछ नहीं कर सकते, लेकिन लंबे समय में यह रवैया उल्टा पड़ेगा।

भूमाफिया पर सख्ती : बिहार में लालू यादव की संपत्तियों की जांच की मांग, गरमाई सियासत

पटना। बिहार में इन दिनों भू-माफिया और जमीन के अवैध कारोबार से जुड़े दलालों के खिलाफ सरकार का बेहद सख्त रुख देखने को मिल रहा है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की कमान संभालने के बाद उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने अधिकारियों और माफियाओं के गठजोड़ को तोड़ने के लिए एक आक्रामक अभियान छेड़ रखा है। इस अभियान के बीच अब राज्य की राजनीति में एक नया मोड़ आ गया है। सत्ताधारी दल जेडीयू ने आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की जमीन और संपत्तियों की गहन जांच कराने की मांग उठा दी है। जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने इस संबंध में उपमुख्यमंत्री से त्वरित कदम उठाने की अपील की है, जिसके बाद बिहार का सियासी पारा अचानक बढ़ गया है। जेडीयू की इस मांग पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट किया है कि विभाग किसी भी प्रकार की शिकायत पर विचार करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि यदि जेडीयू नेता उनके द्वारा आयोजित भूमि सुधार जनकल्याण संवाद कार्यक्रम में औपचारिक रूप से आवेदन देते हैं, तो सरकार और विभाग इस पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ विचार करेगा। सिन्हा ने जोर देकर कहा कि उनका यह अभियान किसी व्यक्ति विशेष या किसी राजनीतिक दल को निशाना बनाने के लिए नहीं है, बल्कि यह पूरे सिस्टम की खामियों और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक निर्णायक लड़ाई है। उन्होंने चेतावनी दी कि जमीन हड़पने वाले माफिया हों या उनसे सांठगांठ रखने वाले अधिकारी, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। यह राजनीतिक विवाद ऐसे समय में गहराया है जब उपमुख्यमंत्री खुद जिलों का दौरा कर जनसंवाद के माध्यम से आम जनता की जमीन संबंधी शिकायतों का मौके पर निपटारा कर रहे हैं। इसी दौरान जेडीयू नेता नीरज कुमार ने लालू परिवार की पटना और अन्य क्षेत्रों में स्थित संपत्तियों पर सवाल उठाते हुए जांच की आवश्यकता जताई है। जेडीयू का तर्क है कि जब सरकार जमीन माफिया के खिलाफ व्यापक मुहिम चला रही है, तो बड़े नेताओं की बेनामी या संदिग्ध संपत्तियों को जांच के दायरे से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।

उत्तर भारत में भीषण ठंड और कोहरे का प्रकोप: कई राज्यों में स्कूलों की छुट्टियां घोषित

नई दिल्ली(एजेंसी)। उत्तर भारत में नए साल का आगमन कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के साथ हुआ है। जनवरी की शुरुआत होते ही समूचा उत्तर और उत्तर-मध्य भारत शीत लहर की चपेट में है। वर्तमान स्थिति यह है कि कई क्षेत्रों में दृश्यता (विजिबिलिटी) शून्य तक पहुँच गई है, जिससे जनजीवन पूरी तरह प्रभावित हुआ है। इस भीषण मौसमी स्थिति का सबसे अधिक प्रभाव स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है, जिन्हें सुबह के घने कोहरे और ठिठुरन में स्कूल जाने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न राज्य सरकारों और जिला प्रशासनों ने स्कूलों को बंद करने या उनके समय में परिवर्तन करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

आज, 2 जनवरी 2026 को उत्तर प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब सहित कई राज्यों में प्राथमिक से लेकर माध्यमिक स्तर तक के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, आगरा और वाराणसी जैसे प्रमुख शहरों में जिलाधिकारियों ने कक्षा 8 तक के स्कूलों को बंद रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं, नोएडा और गाजियाबाद जैसे दिल्ली से सटे इलाकों में स्कूलों को सुबह 10 बजे के बाद खोलने या ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने का विकल्प दिया गया है। यह आदेश सरकारी और निजी दोनों तरह के शिक्षण संस्थानों पर समान रूप से लागू है।

राजस्थान में भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। शेखावाटी अंचल और उत्तरी जिलों जैसे बीकानेर और चूरू में तापमान शून्य डिग्री के करीब पहुंच गया है। राजधानी जयपुर सहित अन्य जिलों में शीतकालीन अवकाश को 5 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है, ताकि छोटे बच्चों को जमा देने वाली ठंड से बचाया जा सके। हरियाणा सरकार ने और भी कड़ा कदम उठाते हुए राज्य के सभी स्कूलों में 15 जनवरी 2026 तक सर्दियों की छुट्टियों की घोषणा कर दी है। पंजाब में भी इसी तर्ज पर प्राथमिक विद्यालयों को बंद रखा गया है, जबकि बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए कक्षा 9 से 12 तक के लिए समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक तय किया गया है।

टी सी प्रकाश स्मृति सम्मान समारोह आयोजित, 251 प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

शेखावाटी अंचल के प्रसिद्ध साहित्यकार लेखक एवं पत्रकार स्वर्गीय टी सी प्रकाश की 93वीं जयंती के अवसर पर टी सी प्रकाश स्मृति सम्मान समारोह का आयोजन शुक्रवार 2 जनवरी को प्रातः 11 बजे खेल मैदान शिमला में भव्य रूप से किया गया। समारोह में शिक्षा साहित्य पत्रकारिता समाजसेवा एवं मानवता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली 251 प्रतिभाओं को टी सी प्रकाश राष्ट्रीय गौरव अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के पूर्व ऊर्जा मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह रहे जबकि समारोह की अध्यक्षता सिंघानिया विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ मनोज कुमार गर्ग ने की। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय टी सी प्रकाश को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके पश्चात अतिथियों ने उनके जीवन दर्शन और समाज के प्रति योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि डॉ जितेंद्र सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि टी सी प्रकाश हमारे आदर्श थे। उन्होंने पत्रकारिता और समाजसेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किए। उन्होंने कहा कि टी सी प्रकाश की स्मृति में उनके सुपुत्र डॉ रामानंद शर्मा पिछले 17 वर्षों से लगातार इस भव्य आयोजन का सफल आयोजन कर रहे हैं जो अत्यंत सराहनीय है। हमें उनके पदचिन्हों पर चलना चाहिए।

विशिष्ट अतिथि नोबल शिक्षण समूह के निदेशक इंजीनियर संदीप नेहरा ने कहा कि टी सी प्रकाश जैसे व्यक्तित्व समाज की धरोहर होते हैं और उनके विचार आज भी हमें दिशा दिखाते हैं। समारोह में गांधी पीस फाउंडेशन नेपाल द्वारा 19 विशिष्ट व्यक्तियों को मानद डॉक्टरेट उपाधि प्रदान की गई। पूर्व ऊर्जा मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ओमप्रकाश गुप्ता, रामकरण यादव, ओमप्रकाश शर्मा को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया जबकि इंजीनियर संदीप नेहरा, पत्रकार रामानंद शर्मा एवं एडवोकेट उमराव सिंह यादव को ह्यूमैनिटी अवार्ड प्रदान किया गया। समारोह के दौरान गेटवेल हॉस्पिटल के सौजन्य से निःशुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित किया गया जिसमें 687 रोगियों की जांच कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। इसके साथ ही कायमगंज एवं दिल्ली के प्रसिद्ध जादूगर एस के शर्मा एवं उनकी टीम ने एक से बढ़कर एक जादू के कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह का भरपूर मनोरंजन किया। इस अवसर पर प्रकाशित स्मारिका का विमोचन भी किया गया। समारोह का सफल संचालन पत्रकार अनिल शर्मा ने किया। कार्यक्रम में आसपास के गांवों के सरपंच पंचायत समिति सदस्य एवं सैकड़ों की संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहें।

दिल्ली में मर्डर: लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली जिम्मेदारी, पुलिस की जांच पर उठे सवाल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली एक बार फिर गैंगवार और अंडरवर्ल्ड के साए में नजर आई। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में हुए वसीम हत्याकांड की जिम्मेदारी अब लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ली है। पोस्ट सामने आने के बाद दिल्ली पुलिस की शुरुआती जांच और गैंग एंगल को लेकर सवाल उठने लगे हैं। गैंग की ओर से दावा किया गया है कि यह हत्या उत्तरी-पूर्वी दिल्ली के कुख्यात गैंगस्टर हाशिम बाबा के लिए करवाई गई, क्योंकि वसीम कथित तौर पर उसके खिलाफ लगातार बयानबाजी कर रहा था। हालांकि पुलिस इससे पहले इस हत्याकांड को आपसी रंजिश का मामला बताते हुए दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर चुकी है।

मामला तब और गंभीर हो गया जब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आई, जिसमें लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली। पोस्ट में लिखा गया कि वसीम गैंगस्टर हाशिम बाबा के खिलाफ बोल रहा था इसलिए उसे मारा गया। गैंग ने यह भी इशारा किया कि हत्या का आदेश तिहाड़ जेल से दिया गया। हालांकि पुलिस अभी इस पोस्ट की सत्यता और इसके पीछे की मंशा की जांच कर रही है।

एसएचओ इंस्पेक्टर मनजीत तोमर के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, स्थानीय इनपुट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच तेज की। कुछ ही घंटों में पुलिस ने दो सगे भाइयों 26 वर्षीय शाकिर और 22 वर्षीय इस्लाम उर्फ बॉर्डर को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हत्या की बात कबूल करते हुए बताया कि वसीम के साथ उनका पहले से विवाद चल रहा था और उसी रंजिश में उस पर चाकू से हमला किया गया। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया चाकू भी बरामद कर लिया गया।

पुलिस के सामने अब दो अलग-अलग दावे हैं। एक तरफ गिरफ्तार आरोपियों का आपसी रंजिश वाला कबूलनामा। दूसरी तरफ गैंग का दावा कि यह सुपारी किलिंग है।सूत्रों के मुताबिक, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी किसी बड़े गैंग के संपर्क में थे या गैंग सिर्फ खौफ फैलाने के लिए जिम्मेदारी ले रहा है।

क्या है मामला

30 और 31 दिसंबर की दरम्यानी रात शास्त्री पार्क स्थित जेपीसी अस्पताल से पुलिस को सूचना मिली कि चाकू से घायल एक युवक को लाया गया है। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 33 वर्षीय वसीम, निवासी बुलंद मस्जिद, शास्त्री पार्क के रूप में हुई। जांच में सामने आया कि वसीम पर डीडीए पार्क के पीछे बने लूप के पास चाकू से हमला किया गया था। घटना की सूचना मिलते ही शास्त्री पार्क थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए।फिलहाल पुलिस सोशल मीडिया पोस्ट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और जेल लिंक की गहराई से जांच कर रही है।

15 लोगों की मौत के लिए सत्ता का अहंकार और भ्रष्टाचार जिम्मेदार : जीतू पटवारी

भोपाल । मध्य प्रदेश के कारोबारी शहर इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों पर कांग्रेस ने फिर मोहन सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इन मौतों को सीधे तौर पर हत्या करार देकर प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। वहीं यूथ कांग्रेस ने इंदौर की घटना पर विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने कहा कि प्रदेश की मोहन सरकार की ओर से जो बयान आ रहे हैं, वह पूरे घटनाक्रम पर पर्दा डालने की कोशिश है। जहरीला पानी पीने से 15 लोगों की मौत हुई है, अगर इसके लिए किसी को दोषी ठहराया जाए, तब स्वाभाविक तौर पर इसके लिए सत्ता का अहंकार और भ्रष्टाचार सबसे घातक हथियार है। वहीं मोहन सरकार में मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि अधिकारियों में और महापौर में समन्वय की कमी है और सीएम यादव ने भी कहा कि अधिकारियों की कमी है। वहीं, महापौर ने भी अधिकारियों द्वारा उनकी बात न सुने जाने का आरोप लगाया है।

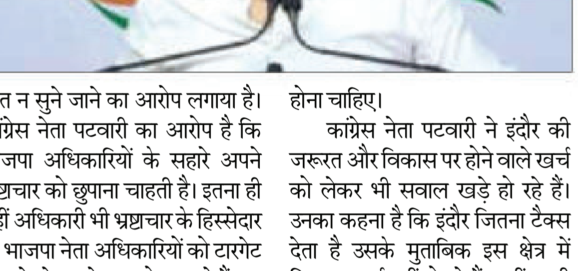

कांग्रेस नेता पटवारी का आरोप है कि भाजपा अधिकारियों के सहारे अपने भ्रष्टाचार को छुपाना चाहती है। इतना ही नहीं अधिकारी भी भ्रष्टाचार के हिस्सेदार हैं, भाजपा नेता अधिकारियों को टारगेट कर रहे, ये अपने पाप को छुपा रहे हैं।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने मंत्री विजयवर्गीय के इस्तीफे की मांग की है, उन्होंने कहा कि महापौर पर एफआईआर होना चाहिए। जो अधिकारी इसमें शामिल हैं उस पर एफआईआर होना चाहिए। इसके साथ गैर इरादतन हत्या का मामला भी दर्ज होना चाहिए।

कांग्रेस नेता पटवारी ने इंदौर की जरूरत और विकास पर होने वाले खर्च को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका कहना है कि इंदौर जितना टैक्स देता है उसके मुताबिक इस क्षेत्र में विकास कार्य नहीं हो रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भोपाल की युवा कांग्रेस इकाई ने इंदौर की घटना के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने छोटे तालाब के गंदे पानी में नाव पर बैठकर मंत्री विजयवर्गीय के पुतले को दूषित पानी पिलाया और उसी पानी में पुतले को डुबाकर विरोध जताया।

कर्नाटक सरकार के सर्वे में दावा-91 प्रतिशत ने माना चुनाव निष्पक्ष

-83 प्रतिशत जनता ने जताया ईवीएम पर भरोसा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा 2024 के लोकसभा चुनावों पर एक सर्वेक्षण कराया गया था, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) पर जनता का मजबूत विश्वास सामने आया है। इस सर्वेक्षण के अनुसार, कर्नाटक की 83 प्रतिशत जनता ने ईवीएम पर भरोसा जताया है। वहीं कर्नाटक सरकार एजेंसी की स्टडी में यह भी दावा किया गया है कि राज्य के 91 प्रतिशत लोग मानते हैं कि भारत में चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से कराए जाते हैं और ईवीएम सटीक नतीजे देती हैं। यह रिपोर्ट कर्नाटक मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन अथॉरिटी ने प्रकाशित की है। यह सर्वे ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भाजपा पर कई राज्यों में 'वोट चोरी' का लगातार आरोप लगा रहे हैं। वे कर्नाटक के कलबुर्गी में भी वोट चोरी का दावा कर चुके हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। ऐसे में भाजपा ने सर्वे रिपोर्ट को लेकर राहुल पर पलटवार किया है।

जानकारी के अनुसार, लोकसभा इलेक्शन 2024- इवैल्यूएशन ऑफ इंडलाइन सर्वे ऑफ नॉलेज, एटीट्यूट एंड प्रैक्टिस ऑफ सिटिजन्स नाम के इस सर्वे में 83.61 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे ईवीएम को विश्वसनीय मानते हैं। कुल मिलाकर, 69.39 प्रतिशत ने सहमति जताई कि ईवीएम मशीनें सटीक चुनाव परिणाम देती हैं, जबकि 14.22 प्रतिशत ने पूरी मजबूती के साथ यह विश्वास व्यक्त किया कि उन्हें ईवीएम पर भरोसा है।

कर्नाटक की 102 विधानसभाओं में हुआ सर्वे

इस सर्वे में बेंगलुरु, बेलगावी, कलबुर्गी और मैसूरु के प्रशासनिक डिवीजनों में 102 विधानसभा क्षेत्रों के 5,100 उत्तरदाताओं ने भाग लिया। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी वी। अंबुकुमार के माध्यम से इस सर्वे को कराया था। डिवीजन-वार आंकड़ों में कलबुर्गी में सबसे ज्यादा विश्वास दिखा, जहां 83.24 प्रतिशत ने सहमति और 11.24 प्रतिशत ने पूरी सहमति जताई कि ईवीएम विश्वसनीय हैं। मैसूरु में 70.67 प्रतिशत लोगों ने ईवीएम में अपनी विश्वसनीयता प्रकट की, और 17.92 प्रतिशत ने मजबूती के साथ ईवीएम में विश्वास होने का दावा किया। बेलगावी में 63.90 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ईवीएम को विश्वसनीय बताया और 21.43 प्रतिशत ने मजबूती के साथ ईवीएम में अपनी विश्वसनीयता प्रकट की। बेंगलुरु डिवीजन में यह आंकड़ा 63.67 प्रतिशत और 9.28 प्रतिशत रहा। बता दें कि ये नतीजे कांग्रेस नेता राहुल गांधी के उन दावों के बिल्कुल उलट हैं, जिनमें वह चुनावों में कथित ईवीएम हेरफेर और वोट चोरी के आरोप लगाकर बीजेपी और निर्वाचन आयोग पर बार-बार हमला बोलते हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com